राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय
सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार,02सितम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -217 पृष्ठ-10 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस साल अगस्त में देश में 27 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, 120 साल में चौथी सर्वाधिक वर्षा

नई दिल्ली।

देश में इस साल अगस्त में सामान्य से 27 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। यह पिछले 120 साल में दर्ज की गई चौथी सर्वाधिक बारिश है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि देश में एक जून से 31 अगस्त के बीच सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। देश में आधिकारिक रूप से वर्षा ऋतु को एक जून से 30 सितंबर तक माना जाता है। विभाग के राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र के वैज्ञानिक आर. के. जेनामणि ने कहा, अगस्त में सामान्य से 27 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि आईएमडी ने नौ प्रतिशत धनात्मक-ऋणात्मक त्रूटि के साथ अगस्त महीने के लिए दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के मुकाबले 97 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान लगाया था। इस प्रकार एलएपीए के 96 से 104 प्रतिशत के बीच बारिश को सामान्य माना जाता है। जेनामणि ने कहा, अगस्त 2020 में दर्ज बारिश, पिछले 44 साल में सर्वाधिक है। वहीं, पिछले 120 साल में दर्ज की गई चौथी सर्वाधिक बारिश है। अगस्त 1926 में सामान्य से 33 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई थी, जो अभी तक की सर्वाधिक है। इसके बाद अगस्त 1976 में सामान्य से 28.4 प्रतिशत अधिक, अगस्त 1973 में 27.8 प्रतिशत अधिक और इस साल सामान्य से 27 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है।

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलवत ने कहा कि अगस्त में बंगाल की खाड़ी में पांच कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण इस महीने इतनी अधिक बारिश हुई है। निम्न दाब क्षेत्र में वायु का चक्रवाती चक्रण होता है। यह तूफान का पहला चरण होता है ,लेकिन जरूरी नहीं कि निम्न दाब चक्रवाती तूफान में ही तब्दील हो। जेनामणि ने कहा कि बंगाल की खाड़ी पर बने पांच कम दबाव के क्षेत्रों की वजह से भारत के मध्य और उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश हुई। पांच कम निम्न दाब क्षेत्रों में चार स्पष्ट निम्न दाब क्षेत्रों में विकसित हुए। पिछले महीने हुई मूसलाधार बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए। जेनामणि ने बताया कि पहला कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा तट के नजदीक चार से 10 अगस्त के बीच बना। यह मध्य भारत और गुजरात के रास्ते अरब सागर में दाखिल हुआ एवं ओमान के तट पर शांत हुआ। दूसरा कम दबाव का क्षेत्र 9 से 11 अगस्त के बीच आंध्र प्रदेश और ओडिशा तट के करीब बना। यह छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर मध्यप्रदेश से गुजरा और आगे पश्चिमोत्तर भारत की ओर बढ़ गया जिससे 14 अगस्त को जयपुर में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई। जेनामणि ने बताया कि तीसरा कम दबाव का क्षेत्र 13 से 18 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश के ऊपर बना और पूर्वोत्तर राजस्थान एवं दक्षिण पंजाब के ऊपर 18 से 20 अगस्त के बीच घूमता रहा जिससे पश्चिमी भारत में भारी बारिश हुई। इसी निम्न दाब की वजह से दिल्ली और आसपास के इलाके में भारी बारिश हुई और बाढ़ जैसे हालात पैदा हुए। उन्होंने बताया कि चौथा कम दाब का क्षेत्र मध्य भारत और दक्षिण पश्चिम राजस्थान और दक्षिण पाकिस्तान में 19 से 26 अगस्त के बीच बना। इसका प्रभाव 21 अगस्त को वारंगल और हैदराबाद सहित तेलंगाना पर, 22 अगस्त को पश्चिम मध्य प्रदेश और दक्षिण राजस्थान और 23-24 अगस्त को गुजरात में देखने को मिला। पांचवां निम्न दाब क्षेत्र भी 24 से 31 अगस्त के बीच बना। मौसम विभाग के अनुसार जून में इस साल सामान्य से 17 प्रतिशत अधिक बारिश हुई जबकि जुलाई में सामान्य से 10 प्रतिशत कम बारिश हुई। आईएमडी का पूर्वानुमान था कि जुलाई में एलपीए का 103 प्रतिशत बारिश होगी जो सामान्य श्रेणी में आती है। उल्लेखनीय है कि 1961 से 2000 के बीच पूरे देश का एलपीए 88 सेंटीमीटर बारिश है।

अपने ही बयान पर घिरी कैप्टन सरकार, विपक्ष ने उठाई फीस वसूली के निर्देशों को वापस लेने की मांग

चंडीगढ़/पंजाब।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने पंजाब ओपन स्कूल प्रणाली के तहत 10वीं और 12वीं के लिए बिना लेट फीस दाखिले की तारीख में वृद्धि कर दी है। विद्यार्थी फीस ऑनलाइन जमा करवा सकेंगे। वही दूसरी और कैप्टन ने कोरोना वायरस संकट को देखते हुए कहा था कि सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों से किसी किस्म की भी फीस नहीं वसूली जाएगी परन्तु अब शिक्षा विभाग की तरफ से फीस के संबंधी नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस मुद्दे को अब विपक्ष द्वारा पंजाब में उठाया जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री अब अपने ही दिए बयानों में विपक्ष के घेरे में आ गया है। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने राज्य के सरकारी स्कूलों की फीस माफ़ करने के ऐलान को विद्यार्थियों और उनके माँ-बाप के साथ धोखा करार दिया है। आप के मुताबिक शिक्षा विभाग की तरफ से जारी निर्देशों ने मुख्यमंत्री के झूठ की पोल खोल दी है। आप ने पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के कंट्रोलर की तरफ से 24 अगस्त, 2020 को जारी निर्देशों के बारे मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा है। गौरतलब है कि पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा ये कहा गया था कि राज्य के सरकारी स्कूलों में कोरोना संकट को देखते हुए कोई फीस नहीं ली जाएगी। हालांकि इच्छुक विद्यार्थियों को दाखिला और परीक्षा फीस के अलावा और कोई फीस अदा नहीं करनी होगी। बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि बिना लेट फीस दाखिलों की अंतिम तारीख 31 अगस्त से बढ़ाकर 21 सितम्बर भी कर दी है।

कोरोना की चपेट में अब तक आए झारखंड पुलिस के चार हजार से अधिक कर्मचारी

रांची। झारखंड की पुलिस में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य पुलिस के मुताबिक तीन पुलिस अधीक्षकों समेत अब तक 4,045 पुलिस कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 626 लोगों का अभी इलाज चल रहा है और नौ लोगों की मौत हुई है। बाकी लोग ठीक हो चुके हैं। झारखंड में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 10 और मरीजों की मौत हो गई जिसे मिलाकर राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या 410 तक पहुंच गई है। सोमवार को 1326 नये मामलों के साथ प्रदेश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 38438 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 1326 नए मामले सामने आएं हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या 38438 हो गई है। विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 23,009 नमूनों की जांच की गई।विभाग की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य के 38,438 संक्रमितों में से 26,448 लोग अब तक ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। इसके अलावा 11,580 अन्य संक्रमितों का इलाज प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में जारी है।

संक्षिप्त समाचार

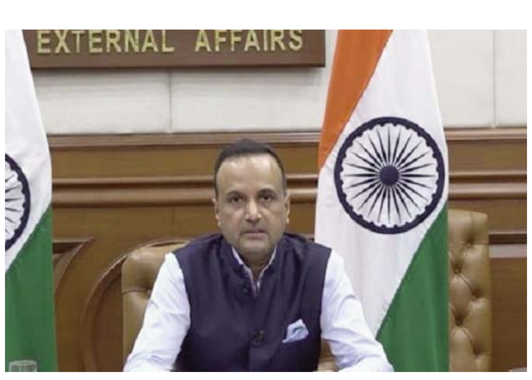

बीती रात एलएसी पर चीन ने फिर की हिमाकत, भारतीय सैनिकों ने रोकाः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। 29/30 अगस्त की रात को भारत और चीनी सेना के बीच हुई झड़प पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीनी सेना ने एलएसी पर चीनी सेना ने बीती रात फिर हिमाकत की। भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना को रोका। विदेश मंत्रालय ने बताया कि काला टॉप और हेलमेट इलाके में चीन ने फिर से घुसने की कोशिश की, जिसे भारतीय सैनिकों ने विफल कर दिया। बताते चलें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मौजूदा हालात की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार सिंह ने सैन्य प्रमुखों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की ताजा स्थिति पर बातचीत की और भविष्य की योजना पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने रक्षा मंत्री को 29 और 30 अगस्त की दरम्यिानी रात पेगांग झील के दक्षिणी किनारे पर चीनी सेना की हरकतों की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा था कि चीन के सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एक बार फिर नापाक हरकत करते हुए 29 और 30 अगस्त की रात दोनों देशों के बीच बनी सहमति का उल्लंघन कर यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जिसका भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया और विफल कर दिया है। सेना प्रमुख ने इस मुद्दे पर चीन के साथ कमांडर स्तर पर हो रही बातचीत के बारे में भी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि ताजा घटनाक्रम के कारण दोनों देशों की सेनाओं के बीच पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से चले आ रहे गतिरोध के लंबे खिंचने की आशंका है क्योंकि इससे सीमा पर एक बार फिर तनाव बढ गया है और दोनों देशों की सेना अपना जमावड़ा बढाने में लगी है।

'मन की बात वीडियो को मिल रहे 'डिसलाइक के पीछे है कांग्रेस का हाथः भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात कार्यक्रम के वीडियो को पार्टी द्वारा यूट्यूब पर पोस्ट किए जाने के बाद मिले 'डिसलाइक का 98 फीसद हिस्सा विदेश से है और उसने उसमें कांग्रेस के शामिल होने का आरोप लगाया। भाजपा की आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट किया, '' पिछले 24 घंटे में यूट्यूब पर मन की बात वीडियो को डिसलाइक करने का संगठित प्रयास किया गया....कांग्रेस का विश्वास इतना कम है कि वह एक तरह की जीत के रूप में इसका जश्न मना रही है। हालांकि, यूट्यूब के डाटा बताते हैं कि डिसलाइक का महज दो फीसद हिस्सा ही भारत से है। उन्होंने लिखा, ''हमेशा की तरह बाकी 98 फीसद हिस्सा भारत से बाहर का है। विदेश से बॉट्स और ट्विटर एकाउंट कांग्रेस के जेईई-नीट विरोधी अभियान का निरंतर हिस्सा रहे हैं। राहुल गांधी के तुर्कीवाले बॉट्स की गतिविधि बहुत बढ़ गई है। यह तुर्की आसक्ति क्या है, राहुल? प्रदेश इकाइयों और अन्य विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस के कई हैंडल ने 'मन की बात वीडियो को 'डिसलाइक करने का अभियान चलाया था।

ऑफ द रिकॉर्डः

इंदिरा को भी दी थी जी-23 जैसे गुट ने चुनौती, अब सोनिया कैसे निपटेंगी

नई दिल्ली।

कांग्रेस पार्टी के 23 बागी नेताओं के असंतुष्ट दल को 'जी-23' का नाम दिया गया है। जी-23 ने स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 1970 के आरंभिक दिनों की याद दिला दी है। 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की सोवियत संघ में अचानक मृत्यु हो गई थी। इधर, भारत में के. कामराज के नेतृत्व वाले शक्तिशाली गुट ने यह सुनिश्चित किया कि प्रधानमंत्री पद पर इंदिरा गांधी ही चुनी जाएं। इस गुट ने मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने तथा 'गूंगी गुड़िया' को कठपुतली बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया था। जो लोग कांग्रेस पार्टी के सभी अहम काम संभालते थे, वे सभी इंदिरा गांधी को 'गूंगी गुडिया' कह कर पुकारते थे। सरकार के सभी अहम कामकाज भी यही लोग देखते थे परंतु, इंदिरा गांधी उनमें से नहीं थीं कि जिन्हें कठपुतली बनाया जा सकता और जल्द ही उन्होंने अपना 'इंदिरा गुट' खड़ा कर लिया। यह 'इंदिरा गुट' पहले-पहल बहुत ही कमजोर स्थिति में था तथा पार्टी के नेता उसके पक्ष में आने से घबराते थे क्योंकि दूसरा गुट बहुत ताकतवर था पर यह इंदिरा गुट संकेत देने लगा था कि 'मैडम' क्या चाहती हैं। विरोधी गुट के दबाव से बाहर आने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा इंदिरा गांधी ने पार्टी का विभाजन करवा दिया और आकस्मिक चुनाव करवाने का आह्वान किया। 1971 में हुए इन चुनावों में इंदिरा की जीत हुई और विरोधी पूरी तरह धराशायी हो गए। सोनिया गांधी 1998 में चाहे नौसिखिया रही हों, पर उन्होंने 1999 में शरद पवार समेत बागियों पर पासा पलट दिया था और उसके बाद 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित करके चुनाव जीत लिए थे। बाद में पवार भी कांग्रेस के साथ आ गए और यू.पी.ए.-1 व यू.पी.ए.-2 का हिस्सा रहे। सोनिया ने विरोधियों को पराजित करके इंदिरा गांधी की तरह सत्ता प्राप्त की परंतु किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि सोनिया गांधी को 6 वर्षों में ही विद्रोह की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। सोनिया गांधी के सामने अब अपने वंश को बचाने की नई चुनौती है। कांग्रेस के जानकार कहते हैं कि विद्रोह उनके खिलाफ नहीं, बल्कि उनके पुत्र राहुल गांधी के खिलाफ है। चाहे जो भी हो परंतु यह तो स्पष्ट है कि उनके सामने गंभीर समस्या आन खड़ी हुई है। देखना होगा कि वह इस समस्या से कैसे निपटती हैं क्योंकि बागी इस बार पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे हैं।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने मोदी को लिखा पत्र, कहा- जीएसटी बकाए पर कोई आसान विकल्प निकालें

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे राज्यों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बकाया प्रदान करने के लिए कानूनी रूप से व्यवहार्य और सतत अन्य विकल्पों पर विचार करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे राज्यों को कोविड-19 के कारण पैदा हुए वित्तीय संकट से निपटने में मदद मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय द्वारा पेश ऋण के दो विकल्पों में मुख्य रूप से राज्यों को कर्ज लेने की आवश्यकता होगी और उसके बाद पुनर्भुगतान देनदारियों को पूरा करने के लिए राज्यों पर अत्यधिक बोझ पड़ेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद को केंद्र को राज्यों की ओर से उधार लेने के लिए अधिकृत करने और उपकर संग्रह की अवधि 2022 से आगे बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। भारत के अप्रत्यक्ष कर ढांचे में जीएसटी सुधार अधिकृत करने और उपकर संग्रह की अवधि 2022 से आगे बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। भारत के अप्रत्यक्ष कर ढांचे में जीएसटी सुधार को ऐतिहासिक सुधार करार देते हुए अधिकृत करने और उपकर संग्रह की अवधि 2022 से आगे बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। भारत के अप्रत्यक्ष कर ढांचे में जीएसटी सुधार को ऐतिहासिक सुधार करार देते हुए केजरीवाल ने पत्र में कहा कि कर संग्रह में कमी पर राज्यों को जीएसटी मुआवजे का आश्वासन उन स्तंभों में से एक है जिस पर जीएसटी का पूरा ढांचा खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी राज्य सामूहिक रूप से काम कर उस अभूतपूर्व स्थिति से निपट लेंगे जो कोरोना वायरस के कारण देश के सामने आयी है।

दिल्ली में कोविड-19 मामलों की संख्या चिंताजनक, सरकार जांच को लेकर पुनः रणनीति बनाएः अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को ''चिंताजनक करार दिया और दिल्ली सरकार को जांच संबंधी रणनीति पर पुनः काम करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर आनंद विहार, कश्मीरी गेट और सराय काले खां जैसे अंतरराज्यीय बस अड्डों पर कोविड-19 जांच केंद्र स्थापित करे जिससे कि विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में राजधानी लौट रहे प्रवासी मजदूरों की जांच की जा सके। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को चिंताजनक करार दिया और जांच रणनीति पर सरकार से पुनः काम करने को कहा। इस बीच, उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से पूछा कि जब 14 हजार आरटी/पीसीआर जांच करने की अनुमति है तो फिर उन लोगों पर प्रतिबंध क्यों है जो खुद के खर्च से अपनी इच्छा के हिसाब से जांच कराना चाहते हैं। इसपर, आईसीएमआर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. निवेदिता गुप्ता ने कहा कि यह एक परामर्श था और यदि राज्य चाहें तो स्थिति के हिसाब से जांच संख्या बढ़ा सकते हैं, इसमें उन्हें कोई समस्या नहीं है। अदालत को बताया गया कि दिल्ली में दूसरा सीरो सर्वेक्षण किया गया है और इसकी रिपोर्ट दिल्ली सरकार को अभी मिलनी बाकी है। पहले सीरो सर्वे की रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद अदालत ने कहा कि दिल्ली की बड़ी आबादी में लक्षणमुक्त संक्रमण दिखा है और इसी आबादी की वजह से बीमारी का खामोशी से प्रसार हो रहा है। अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह दूसरे सीरो सर्वे के विश्लेषण के साथ स्थिति रिपोर्ट दायर करे। मामले में अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। अदालत अधिवक्ता राकेश मल्होत्रा की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले में अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। अदालत अधिवक्ता राकेश मल्होत्रा की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर तंज, बोले- नौकरी दो, खाली नारे नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार भारत के भविष्य को खतरे में डाल रही है। वह परीक्षार्थी की मांगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने केंद्र से मांग की कि सरकार नौकरियां दें, खाली नारेबाजी न करे। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, मोदी सरकार भारत के भविष्य को खतरे में डाल रही है। अहंकार की वजह से वो आकांक्षियों की वास्तविक चिंताओं के साथ-साथ स्स्ट और अन्य परीक्षा देने वालों की मांगों की अनदेखी कर रहे हैं। नौकरी दो, खाली नारे नहीं। राहुल ने सोमवार को एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा था, जो आर्थिक त्रासदी देश झेल रहा है उस दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई की आज पुष्टि हो जाएगी. भारतीय अर्थव्यवस्था 40 वर्षों में पहली बार भारी मंदी में है। असत्याग्रही इसका दोष ईश्वर को दे रहे हैं। बीजेपी की सरकार ने असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण किया है और आपको गुलाम बनाने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी ने इसके तीन बड़े उदाहरण देते हुए कहा, नोटबंदी, गलत जीएसटी और लॉकडाउन। आप यह मत सोचिए कि लॉकडाउन के पीछे सोच नहीं थी। यह मत सोचिए कि आखिरी मिनट पर लॉकडाउन कर दिया गया। इन तीनों का लक्ष्य हमारी इनफॉरमल सेक्टर को खत्म करने का है। प्रधानमंत्री जी को अगर सरकार चलानी है, मीडिया की जरूरत है, मार्केटिंग की जरूरत है, मीडिया और मार्केटिंग 15-20 लोग करते हैं। इनफॉरमल सेक्टर में पैसा है, लाखों करोड़ों रुपए, जिसको यह लोग छू नहीं सकते। किसानों के घर में मजदूरों के पास छोटे बिजनेज में दुकानदारों के पास लाखों करोड़ों रुपए हैं। इसको यह लोग तोड़ना चाहते हैं, पैसा लेना चाहते हैं। यह मत सोचिए कि आखिरी मिनट पर लॉकडाउन कर दिया गया। इन तीनों का लक्ष्य हमारी इनफॉरमल सेक्टर को खत्म करने का है। प्रधानमंत्री जी को अगर सरकार चलानी है, मीडिया की जरूरत है, मार्केटिंग की जरूरत है, मीडिया और मार्केटिंग 15-20 लोग करते हैं। इनफॉरमल सेक्टर में पैसा है, लाखों करोड़ों रुपए, जिसको यह लोग छू नहीं सकते। किसानों के घर में मजदूरों के पास छोटे बिजनेज में दुकानदारों के पास लाखों करोड़ों रुपए हैं।इसको यह लोग तोड़ना चाहते हैं, पैसा लेना चाहते हैं। इसको यह लोग तोड़ना चाहते हैं, पैसा लेना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

प्रणब दा का जाना

भारत राष्ट्र के दिग्गज राजनेताओं में शुमार प्रणब मुखर्जी का जाना भारतीय राजनीति से एक भद्र युग की विदाई है। अध्ययनशीलता, शालीनता, उद्यमशीलता और लोकतांत्रिक व्यवहार की दृष्टि से वह जो शून्य छोड़ गए हैं, उसकी भरपाई नामुमकिन है। देश का यह उदार चिंतनशील नेता 84 की उम्र में भी बिना पद सबका ध्यान खींचने में कामयाब था और राष्ट्रपति पद से विदाई के बावजूद इनकी प्रासंगिकता और उपस्थिति सशक्त थी। मस्तिष्क से एक थक्का हटाने के लिए की गई शल्य चिकित्सा के बाद वह स्वास्थ्य लाभ में लगे थे, पर दुर्भाग्य, उन्हें कोविड-19 ने घेर लिया। उनके कोमा में होने के बावजूद एक आशा थी कि वह फिर लौट आएंगे और हमेशा की तरह कुछ नया करके या बोलकर सबको चौंका देंगे, लेकिन दिल्ली के सैन्य अस्पताल में भारतीय राजनीति का एक सच्चा सेनापति सबको उदास कर गया। उनकी राजनीति की सबसे बड़ी खूबी तो यही है कि आपको उनके कट्टर विरोधी नहीं मिलेंगे। जिस लोकतांत्रिक शैली की राजनीति वह करते थे, उसमें दूसरों के लिए पूरी जगह होती थी। न घृणा, न रोष, न कोई हल्की बात, शायद ऐसे ही समर्पित नेताओं की परिकल्पना हमारा संविधान करता है। कुछ नेता होते हैं, जो संसद में बहस के लिए तैयार होकर आते हैं, ताकि राजनीतिक रूप से शानदार भाषण से लोगों को लुभा सकें, पर प्रणब दा एक ऐसे नेता थे, जो वास्तव में चीजों का मौलिक ज्ञान रखते थे। इसलिए उनके बयानों में एक वजन होता था, जो लोगों के दिलों में आसानी से बैठ जाता था। वह भाषणबाजी में नहीं, काम में लगे दिखते थे। आश्चर्य नहीं, उनके जाने पर लोग कह रहे हैं कि वह बहुत सक्षम प्रधानमंत्री साबित होते। भारतीय राजनीति के लिए यह सोचने का विषय है कि विद्वान राजनेता सम्मान तो पा लेते हैं, पर यथोचित स्थान के लिए उन्हें ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। बेशक, वह ऐसे सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री के रूप में भी याद किए जाएंगे, जो देश के नसीब में नहीं था। निरंतर संघर्ष करते अनेक वर्ष तक उन्होंने मंत्रिपद पर रहते भारत और खासकर उसकी अर्थव्यवस्था को आकार दिया। वह 2012 से 2017 तक देश के राष्ट्रपति रहे, पद की गरिमा, महत्व और दृढ़ता को बखूबी निभाते रहे। पिछले साल ही उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया था, तो यह दरअसल विद्वतापूर्ण अच्छी राजनीति का भी सम्मान था। यह अपने आप में मिसाल है कि इंदिरा गांधी के दौर से नरेंद्र मोदी के दौर तक कम से कम पचास साल तक वह सक्रिय और सामयिक रहे। खास तौर पर, वित्त, रक्षा, विदेश मामलों में उनका कोई मुकाबला न था। अपने जटिल मामलों को सुलझाते समय कांग्रेस ने उन्हें हमेशा याद किया। एक समय वह भी आया था, जब कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अपनी राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस का गठन किया, लेकिन इस भद्र नेता की नाराजगी ज्यादा दिन नहीं टिकी, और कांग्रेस में लौट आए। एक नेता के रूप में उन्होंने आजीवन निष्ठा और व्यक्तिगत विचार, दोनों को साथ साधे रखा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय नागपुर भी गए, तो बहुत विद्वतापूर्ण ढंग से दक्षिणपंथ और अपनी आधुनिक समाजवादी विचारधारा के बीच संतुलन का बेहतरीन नमूना पेश किया। सकारात्मक राजनीति अगर एक साधना है, तो देश ने उसके एक आदर्श साधक को हमेशा के लिए खो दिया है।

आज के ट्वीट

आंख

कल ही आरोप लगाया गया कि मोदी जी चीन को आंख नहीं दिखाते और कल ही गलवान में मारे गए चीन के सैनिकों की कब्र के वीडियो आ गए।कल ही चीन छाती पीटता दिखा कि भारतीय सैनिक हमारे एरिया में घुस गए हैं जबरन। बेचारे चीन के वफादार ये भी नहीं बोल सकते कि मोदी जी ने चीन की मीडिया को खरीद लिया है।

– अर्नब गोस्वामी

नयी शिक्षण संस्कृति के बहुआयामी लक्ष्य

सुरेश सेठ

चौंतीस वर्ष बाद भारत की नयी शिक्षा नीति घोषित हो गयी है। यह शिक्षा नीति एक नयी शिक्षण संस्कृति की स्थापना का आग्रह कर रही है, जिससे दीक्षित स्नातक लार्ड मैकाले से प्रेरित शिक्षा संस्कृति से प्राप्त सफेद कॉलर वाले बाबू बनने की इच्छा और आकांक्षाओं के घेरे से बाहर आ सकें। पराधीन भारत में देसी नौजवानों को जो शिक्षा का लिबास पहनाया गया, वह उद्यमहीन बाबूगिरी का था। बंधी-बंधाई लीक पर चलने वाली एक मध्यवर्गीय मानसिकता का था, जिसमें भारत की आधी आबादी उसकी कार्यशील युवा पीढ़ी किसी नव उन्मेषी राह पर नहीं चलना चाहती थी। वहां सुबह दस से पांच तक चलने वाली एक समतल जिंदगी थी, जिसमें नयी जमीन तोड़कर नया क्षितिज हासिल करने का कोई आग्रह नहीं था। स्वाधीनता के उपरांत सन 1986 में इसकी शिक्षा नीति ने आधारभूत शिक्षण की घोषणा से परिवर्तन का एक रूप धरा। लेकिन देश के नवशिक्षित मनचाही राहों पर जाने के लिए व्याकुल नहीं हो पाये। उनका तब भी आकर्षण तीन रास्तों में से एक का चुनाव था। या डाक्टर बनो या इंजीनियर या वकील। इससे जिस पेशेवर शिक्षण संस्कृति का जन्म हुआ, उससे उसके उन्हीं पेशों के आलीशान शिक्षण संस्थान यहां खुले, जहां हर महत्वाकांक्षी परिवार अपने लाड़लों को इन्हीं में से किसी एक रास्ते पर डालने के लिए प्रयासरत रहता। यह सही है कि इस बीच अंतरिक्ष को खंगालने और उसके ग्रहों की थाह लेने के लिए 'इसरो' का जन्म और विकास इसी भारत में हुआ। इस संस्थान ने अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों से भारत का झंडा विश्व भर में बुलंद किया। लेकिन ऐसे संस्थान और इनमें जुटी युवा शक्ति मात्र एक अपवाद रही। पेशेवर शिक्षा के इन रास्तों पर अभी तक उसी मध्यवर्गीय चिन्तन का बोलबाला रहा, जो उद्यमी रास्ते को नकार कर अपनी शिक्षा से उसी सुरक्षित नौकरी को चाहता था, जिसमें किसी अप्रत्याशित मोड़ की गुंजायश न हो। परिणाम यह हुआ कि नौकरियां कम, चाहवान ज्यादा। भारत जैसे कृषक समाज का जीने का ढंग था, कृषि वह एक धंधा बन गया। लाभ-हानि की गिनती होने लगी। गांवों की उभरती हुई युवा पीढ़ी अपने पुरखों के विरासती काम का आधुनिकीकरण या उसे वैज्ञानिक कलेवर देने के स्थान पर महानगरों की ओर, या वहां से निराश होकर विदेशों की ओर चल निकली। हर बरस कम से कम डेढ़ करोड़ नौजवान गांवों से अपनी धरती का मोह त्याग कर महानगरों या विदेशी धरती की ओर निकल रहे थे। जब कोरोना महामारी के प्रकोप ने विश्व के साथ भारत पर भी कुठाराघात किया तो तेरह करोड़ ऐसे प्रवासी श्रमिक थे, जो आर्थिक सुरक्षा के नाम पर भारत के महानगरों में दोयम दर्जे के नागरिकों का जीवन जी रहे थे। इनमें शामिल थी भारत की मध्यवर्गीय पीढ़ी जो बाबूगिरी जैसी नौकरियों में अपना जीवन तलाश रही थी। कोरोना महामारी के भय ने सुरक्षित जिंदगी की गिनती उलटफेर कर दी। इसका सामना करने के लिए देश में लॉकडाउन के सिवा कोई और चारा नहीं बचा। विदेशों में भी अपना सुनहरा जीवन तलाशते प्रवासी भारतीयों के पैरों के नीचे से सुरक्षित धंधे की धरती उखड़ गयी। करोड़ों छोटे अनियमित कामों से लाचार हो गये लोग अपने गांवों की ओर और विदेशी धरती से उखड़े लोग, अपने देश की ओर चले कि शायद इस महामारी में उनके लिए कोई वैकल्पिक जीवन हो। लेकिन इन मुश्किल दिनों ने सिखा दिया है कि चौंतीस साल पुरानी इस शिक्षा प्रणाली ने उनके लिए किसी वैकल्पिक कार्य संस्कृति की गुंजायश न शहरों में छोड़ी, न गांवों में। बेरोजगारी तो पहले ही इस देश में एक विकट समस्या थी। अब बेकारी के आंकड़े कुछ इस कदर बढ़े जो देश ने पिछले 45 बरस में भी न देखे थे। कुल जनसंख्या का बड़ा कर्मशील वर्ग तो बेकार हो ही गया। जो उखड़कर गांवों की ओर गये और फिर वहां कोई वैकल्पिक आधार न पाकर फिर शहरों की ओर आये। इन उखड़े हुए लोगों पर जो बीता सो बीता, परन्तु इनकी नवसन्तति एकांगी शिक्षा से दीक्षित न रह जाये, इसलिए अब देश की नयी पौध के बहुपक्षीय व्यक्तित्व के विकास के लिए एक नयी शिक्षण संस्कृति के विकास की घोषणा इस नई शिक्षा नीति में हुई है। यह नीति शुरू से ही रोजगारपरक होगी। यह तीन वर्गों में न बांटकर पांच वर्गों में बांटेगी। कला संकाय और विज्ञान संकायों की घेराबंदी को तोड़कर इन्हें किसी शिक्षा से महरूम नहीं रखा जायेगा। शुरू से अपनी मिट्टी से जुड़िये। अपनी शिक्षा का शुरुआती परिचय अपनी मातृभाषा में लीजिए। फिर कला और विज्ञान विषयों की मिश्रित जानकारी लेकर अपनी शिक्षा को एकांगी न रखिये। इसके बाद जहां आपकी विशेषज्ञता हो, उसी रास्ते पर निकल जाइए। यह नई शिक्षण संस्कृति लोचशील रहेगी। जीवन की आवश्यकताओं और दबावों के अनुसार कभी भी इसे किसी डिप्लोमा अथवा मध्यवर्ती डिग्री तक प्राप्त करके छोड़ दीजिये। फिर जब आर्थिक परिस्थितियां राहत दें, इसे आगे चलकर पूर्ण कर लीजिये। जिंदगी जीने और शिक्षा प्राप्ति की ललक को साथ चलाने का एक नया और अनूठा प्रयास है यह नव शिक्षण संस्कृति। कोरोना महामारी के इन कठिन दिनों में जहां सामाजिक अन्तर रखना एक बाध्यता बन गयी है, अब ऑनलाइन, इंटरनेट से शिक्षा देना और परीक्षा ले छात्रों का मूल्यांकन करना एक बाध्यता बन रही है। भारत के प्रधानमंत्री ने डिजिटल गांव का एक और सपना देश की युवा पीढ़ी को दिखाया है। देश के तीन लाख गांवों को डिजिटल कर देने का लक्ष्य अगले दो साल के लिए रख दिया है। सामाजिक अन्तर रखकर इस नव शिक्षण संस्कृति के उदाहरण अतीत में झांकों तो मिल जाते हैं। महाभारत काल में गुरु द्रोण ने कौरवों और पांडवों को तो परंपरागत शिक्षा के साथ धनुर्विद्या में पारंगत किया था लेकिन एकलव्य को क्यों भूल रहे हैं? जिसने द्रोण की मूर्ति से ही वह शिक्षा हासिल कर ली। इस समय तो देश के पांच से लेकर पैंतीस तक के आयु वर्ग के विद्यार्थियों में से बड़ी आबादी ऐसी है, जिन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं कि इस इंटरनेट दुनिया को कैसे इस्तेमाल करना है? फिर यह एक खर्चीला माध्यम है। जिन छात्रों को मुफ्त शिक्षा, मिड डे मील मिलता है, वे भी सौ प्रतिशत तक स्कूली स्तर की शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते। इससे वे क्या करेंगे? फिर देश में इस ऑनलाइन एकलव्य शिक्षण पद्धति का विकास होगा तो कैसे? शीर्ष अदालत ने चेताया है कि कोरोना के साथ जीना सीखना होगा। इसलिए शिक्षण संस्थाओं को मौजूदा शिक्षा व्यवस्था और अंतिम परीक्षाओं की अनिवार्यता के साथ तो जीना ही होगा। ऑनलाइन शिक्षण रहेगा लेकिन उसके सहयोगी के रूप में। यूं इस नव शिक्षण संस्कृति के विस्तृत होते क्षितिज की सार्थक परिकल्पना हो सकती है।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

युवा और नशा

आचार्य रजनीश ओशो

नशीले पदार्थ सरकारों और धर्मो से अधिक शक्तिशाली प्रमाणित हुए हैं, क्योंकि किसी ने नशीले पदार्थ लेने वालों के मनोविज्ञान को समझने का प्रयास नहीं किया सारे धर्म और सरकारें सदा से नशीलें पदार्थों के विरुद्ध रही है- सभी धर्मो की हमेशा से यही कोशिश रही है कि लोग नशीली दवाएं न लें। सरकारों ने भी हमेशा नशीले पदाथरे का विरोध किया है, लेकिन धर्म और सरकारें इसलिए नशीले पदार्थों के विरुद्ध रही है क्योंकि वे मनुष्य को दुखी और पीड़ित ही देखना चाहते हैं। पीड़ा में मनुष्य कभी विद्रोही नहीं हो सकता। जब वह बहुत दुखी और भीतर से टूट रहा होता है तो वह एक नये समाज, एक नई संस्कृति, एक नये मानव और एक नये युग की कल्पना भी नहीं कर सकता। अपने दुख के कारण वह सहजता से पंडितों और पुजारियों का शिकार बन जाता है। वे उसे सांत्वना देते हैं, उससे कहते हैं कि धन्य हैं वे जो गरीब हैं, धन्य हैं वे जो विनम्र हैं, धन्य हैं वे जो दुखी हैं, क्योंकि वे ही ईश्वर के राज्य के अधिकारी हैं। यह पीड़ित मनुष्यता राजनीतिज्ञों के हाथों में खेलती है, क्योंकि दुखी मनुष्य को एक आशा चाहिए भविष्य में-एक बेहतर समाज की आशा, एक ऐसे समाज की आशा जहां दुख और पीड़ा न हो। वे अपनी पीड़ा को सहन कर सकते हैं अगर उन्हें दूर क्षितिज में एक स्वर्णयुग की आशा बनी रहे। और स्वर्णयुग आता ही नहीं कभी। बिल्कुल ऐसे जैसे कि मृगमरीचिका होती है-उसके पीछे तुम दौड़ते रहो, दौड़ते रहो लेकिन कभी उसे पा न सकागे। जब तक कि तुम थोड़ा आगे बढ़ोगे वह और आगे खिसक जाएगी। लेकिन एक आशा बंधी रहती है। राजनीतिज्ञ वादे पर जीता है। पंडित वादे पर जीता है, परंतु पिछले दस हजार वर्षो में किसी ने कुछ किया? नहीं किया। उनके नशीले पदाथरे के खिलाफ होने का कारण यह है कि नशीले पदार्थ उनका व्यवसाय बंद कर देंगे। अगर लोगों ने अफीम, एल.एस. सी., गांजा, चरस लेना शुरू कर दिया तो उन्हें न तो राजनीति की चिंता होगी, न कल क्या होगा इसकी चिंता, न इसकी चिंता कि मरने के बाद क्या होगा, न ईश्वर की और न ही स्वर्ग और नर्क की। वे उस क्षण में तृप्त हो जाएंगे। इसलिए धर्मो और संस्कारों का यह सारा विरोध है। अब तुम यह गहरी साजिश देखते हो-उनका कोई लेना-देना उस व्यक्ति के भले से नहीं है जो नशीली दवाएं ले रहा है, उनको सामाजिक ढर्रे को बरकरार रखकर अपना व्यवसाय जारी रखना है।

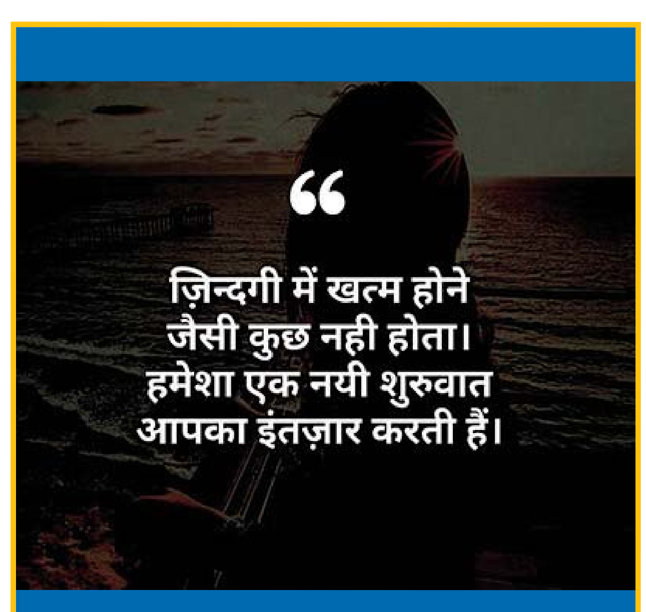

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

गंगा को गाद मुक्त करने में समाधान

भरत झुनझुनवाला

बिहार में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाढ़ का कहर जारी है। इस समस्या की शुरुआत आज से 200 वर्ष पूर्व हुई थी। 19वीं सदी में प्रायः हुगली नदी सूख जाती थी। कलकत्ता बंदरगाह पर जहाजरानी स्थगित हो जाती थी और कलकत्ता में पीने के पानी का अभाव हो जाता था। समाधान के लिए हमने 70 के दशक में फरक्का बैराज का निर्माण किया और गंगा के आधे पानी को हुगली में डाला जबकि आधा पूर्ववत बांग्लादेश को जाता रहा। यह प्रयोग इस हद तक सफल रहा कि आज हुगली 12 महीने जीवित है, कलकत्ता में पीने का पानी उपलब्ध है। लेकिन इससे तीन गंभीर समस्याएं पैदा हो गयी हैं। पहली समस्या यह है कि फरक्का बैराज में गेट लगे हुए हैं, जिनके नीचे से पानी बांग्लादेश को जाता है। इन गेटों के पीछे के तालाब की ऊपरी सतह से पानी फीडर कनाल के माध्यम से हुगली को जाता है। बैराज के पीछे तकरीबन 10 किलोमीटर लम्बा तालाब बन गया है। इस तालाब में गाद नीचे बैठती है। फलस्वरूप गेट के नीचे से निकलने वाले पानी में गाद की मात्रा ज्यादा होती है। बांग्लादेश को यद्यपि पानी तो आधा ही जाता है लेकिन गाद शायद 80 प्रतिशत जाती है। इससे हुगली में यद्यपि आधा पानी जाता है लेकिन गाद केवल 20 प्रतिशत जाती है। हुगली में गाद कम जाने से हुगली के मुहाने पर सुंदरबन में गाद कम पहुंचती है। गंगा द्वारा गाद को पर्याप्त मात्रा में न लाने से समुद्र ने सुंदरबन को काटना शुरू कर दिया है। दूसरी समस्या यह है कि फरक्का बैराज में रुकावट के कारण इसके पीछे गंगा के बहाव का वेग कम हो गया है। वेग कम होने से गंगा अपने पेटे में गाद को अधिक मात्रा में जमा कर रही है। परिणामस्वरूप उसका चैनल छिछला होता जा रहा है। इस कारण गंगा कोसी और गंडक जैसी नदियों के पानी को ग्रहण करके समुद्र तक कम पहुंचा पा रही है। अतः सम्पूर्ण बिहार बाढ़ की चपेट में आ रहा है। इस समय टिहरी बांध में गाद भारी मात्रा में जमा हो रही है और हरिद्वार तथा नरोरा बैराजों से बरसात के मौसम में पानी के साथ-साथ गाद भारी मात्रा में निकल रही है। इसलिए नरोरा के नीचे गाद कम मात्रा में बह रही है। लेकिन साथ-साथ जो बड़ी बाढ़ आती थी, वह भी समाप्त हो गयी है। पूर्व में यद्यपि गंगा गाद की मात्रा ज्यादा लाती थी लेकिन हर पांच-दस वर्षों में एक बड़ी बाढ़ आती थी, जिसमें गंगा जमा हुई गाद को ढकेल कर समुद्र तक ले जाती थी और अपना चैनल साफ़ कर लेती थी। तत्पश्चात चार-पांच साल तक बाढ़ का कहर कम हो जाता था। गाद के समुद्र तक पहुंचने से गंगासागर का कटाव भी रुक जाता था। वर्तमान में टिहरी, हरिद्वार और नरोरा के कारण गाद तो कम जा रही है, जिससे गाद का जमाव भी कम हो रहा है लेकिन साथ-साथ बड़ी बाढ़ भी कम आ रही है। परिणाम यह है कि कम मात्रा में आने वाली गाद जमा हो रही है परन्तु बड़ी बाढ़ के अभाव में वह समुद्र तक नहीं पहुंच रही है। फलस्वरूप इलाहबाद बक्सर के बाद गंगा का पेटा ऊंचा होता जा रहा है। उतने ही पानी को पहुंचाने के लिए गंगा बगल की भूमि को काट रही है। बांग्लादेश से समझौता के अनुसार हर समय आधा पानी भारत और आधा पानी बांग्लादेश को जायेगा। बाढ़ के समय भी आधा पानी बांग्लादेश को और आधा पानी भारत को जाता है। फलस्वरूप हुगली में बड़ी बाढ़ का आना अब पूर्णतया बंद हो गया है। इससे समुद्र में ज्वार तेजी से आता है और अपने साथ भारी मात्रा में बालू को लाता है लेकिन भाटा धीमी गति से वापस जाता है

और समुद्र के द्वारा लाई गयी बालू वहीं छूट जाती है। पूर्व में बड़ी बाढ़ के समय यह बालू भी गंगा ढकेलकर समुद्र तक पहुंचा देती थी। लेकिन अब बड़ी बाढ़ बंद होने के कारण और बची बाढ़ का आधा पानी भी बांग्लादेश को जाने के कारण यह बालू वहीं जमा रह जाती है। कलकत्ता से हल्दिया तक गंगा का पेटा ऊंचा है। इन समस्याओं का पहला समाधान यह है कि हम फरक्का के आकार को बदलें। गेट के माध्यम से हुगली में पानी पहुंचाने के स्थान पर फरक्का के पीछे जालंगी नदी की ड्रेजिंग करके गंगा के पानी को हुगली तक ले जाएं। तब फरक्का के कारण जो गाद और पानी में असंतुलन बन रहा है, वह समाप्त हो जाएगा। आधा पानी और आधी गाद बांग्लादेश को जायेगी और आधा पानी और आधी गाद हुगली को जायेगी। सुन्दरबन को ज्यादा गाद मिलेगी और कटाव कम हो जायेगा। दूसरा, हमें टिहरी, हरिद्वार और नरोरा को हटाने पर विचार करना चाहिए ताकि बड़ी बाढ़ आनी पुनः शुरू हो जाए और गंगा अपने पेटे में जमा गाद को समुद्र तक पहुंचा सके। इन बांध और बैराजों द्वारा सिंचाई का जो लाभ है, उसे भूजल संग्रहण के माध्यम से हासिल किया जा सकता है। तीसरा, हमें बांग्लादेश से समझौता करना होगा कि मानसून के समय 15 दिन तक 80 प्रतिशत पानी हुगली को और 15 दिन तक 80 प्रतिशत पानी बांग्लादेश को मिले, जिससे कि दोनों देशों में नदियों के पेटे में जमा गाद को नदी समुद्र तक ढकेल कर ले जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

त्योहारों के मौके पर स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा रेलवे, सरकार की हरी झंडी का इंतजार

नेशनल डेस्क। रेलवे अधिक मांग वाले क्षेत्रों में यात्रियों का आवागमन सुगम करने के लिए और अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है जिसके लिए राज्य सरकारों से सहमति मांगी जा रही है। रेल मंत्रालय के प्रवक्ता ने हालांकि, यह नहीं बताया कि वर्तमान में चल रहीं 230 स्पेशल ट्रेनों के अतिरिक्त ऐसी कितनी और ट्रेन चलाई जाएंगी। सूत्रों ने बताया कि दशहरा-दिवाली को देखते हुए रेलवे जल्द ही नई ट्रेनें चला सकता है। इससे संबंधी घोषणा आगामी कुछ दिन में की जाएगी। वर्तमान में कोविड-19 की वजह से सभी नियमित यात्री सेवाएं निलंबित हैं। रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि और अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनाई जा रही है। राज्य सरकारों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो रेलवे की 100 ट्रेनों को चलाने की तैयारी है, जिन्हे स्पेशल कैटेगरी में रखा जाएगा। रेल मंत्रालय ने पहले ही इशारा दिया था कि चरणबद्ध तरीके से ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यात्रियों की डिमांड और कोविड के हालात को देखते हुए ट्रेनें चलाई जानी थीं, मगर बार-बार ͨ लान ͧ थगित कर दिया गया।

आशीष भंडारी ने थर्मेक्स के प्रबंध निदेशक, सीईओ का पदभार संभाला

नयी दिल्ली। ऊर्जा और पर्यावरण समाधान उपलब्ध कराने वाली थर्मेक्स ने मंगलवार को कहा कि आशीष भंडारी कंपनी के नये प्रबंध निदेशक और सीईओ होंगे। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि भंडारी की नियुक्ति एक सितंबर से प्रभाव में आएगी। थर्मेक्स के अनुसार उन्होंने एम एस उन्नीकृष्णन का स्थान लिया जिन्हानें सोमवार को पद छोड़ दिया। कंपनी ने कहा, ''एम एस उन्नीकृष्णन ने 31 अगस्त, 2020 से कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी पद से हट गये।'' इससे पहले, थर्मेक्स ने फरवरी में भंडारी को 20 अप्रैल, 2020 से समूह का संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाये जाने की घोषणा की थी। कंपनी ने यह भी कहा था कि उन्नीकृष्णन 30 जून को सेवानिवृत्त होंगे। उसके बाद भंडारी प्रबंध निदेशक और सीईओ होंगे।

5 महीने में पहली बार बढ़ी देश की मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ

नई दिल्ली। देश की आर्थिक सुस्ती दूर होने के संकेत मिलने लगे है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, नए ऑर्डर्स मिलने के चलते भारत में मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी के आंकड़ों में तेजी आई है। की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का अगस्त में पीएमआई बढ़कर 52 पर पहुंच गया है। इससे पहले महीने यानी जुलाई में ये 46 पर था। पांच महीने में पहली बार इसमें ग्रोथ आई है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि पीएमआई का 50 के ऊपर रहना एक अच्छा संकेत है। आने वाले दिनों में आंकड़े और बेहतर हो सकते है। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री श्रेया पटेल का कहना है कि भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की सेहत में सकारात्मक सुधार आया है। यह संकेत जून तिमाही में गिरावट से उबरने की ओर है। उन्होंने कहा, घरेलू बाजारों की मांग में तेजी से उत्पादन और इनपुट खरीदारी में ग्रोथ आई। हालांकि, अगस्त में सबकुछ अच्छा रहा है। ऐसा नहीं है नौकरियां संकट अभी बना हुआ है। एसकोर्ट सिक्योरिटी के रिसर्च हेड आसिफ इकबाल का कहना हैं कि, पीएमआई आंकड़ों में आया सुधार, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत हैं। पीएमआई आंकड़ों में आया सुधार, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत हैं। हालांकि, इसकी उम्मीद पहले से लगाई जा रही थी, क्योंकि दिसंबर में भी मैन्- युफैक्‍ चरिंग एक्टिविटी बढ़ती हुई नज़र आई।

आयकर विभाग अब अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के साथ सूचनाएं कर सकता है साझा: सीबीडीटी

नई दिल्ली।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि आयकर प्रशासन अब जरूरी सूचनायें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के साथ साझा कर सकता है। इस पहल से बैंकों को अपने ग्राहकों को किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के भुगतानों पर टीडीएस कटौती का फैसला लेने में सहुलियत होगी। सीबीडीटी की 31 अगस्त को जारी अधिसूचना में भारतीय रिजर्व बैंक कानून 1934 के तहत दूसरी अनुसूची में सूचीबद्ध वाणिज्यिक बैंकों को आयकर कानून की धारा 138 के तहत सूचना साझा करने वालों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। सीबीडीटी व्यक्तिगत आयकर और कंपनी कर के नियम कायदे बनाने वाला शीर्ष निकाय है। आयकर कानून की धारा 138 आयकर विभाग को उसके कारदाताओं के बारे में जानकारी को दूसरी एजेंसियों के साथ साझा करने का अधिकार देता है नांगिया ऐंडरसेन एलएलपी के पार्टनर संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को आयकर विभाग द्वारा सूचनायें साझा करने वाली सूची में शामिल कर दिये जाने से बैंकों को टीडीएस कटौती के बारे में फैसला लेने में काफी मदद मिलेगी। झुनझुनवाला ने कहा इस पहल से विशेषतौर से धारा 194एन के तहत आने वाले मामलों में काफी मदद मिलेगी। इस धारा के तहत करदाताओं से आयकर संबंधी कई तरह की सूचनाओं की जरूरत पड़ती है।

झुनझुनवाला ने कहा कि आयकर विभाग द्वारा बैंकों को दी जाने वाली जानकारी से बैंकों को उनके ग्राहकों द्वारा सौंपे जाने वाले फार्म 15जी और 15एच की वैधता की भी जांच करने में मदद मिलेगी।

सरकार ने 11 राज्यों में 27 शीत भंडारण परियोजनाओं को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत 208 करोड़ रुपये के अनुदान के साथ 11 राज्यों में 27 शीत भंडारण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि इन परियोजनाओं को अंतर मंत्रालयी मंजूरी समिति (आईएमएसी) की बैठक में'पीएमकेएसवाई की एकीकृत शीत भंडारण योजना और संरचना के मूल्यवर्धन' के तहत मंजूरी दी गई। यह बैठक अगस्त के दूसरे पखवाड़े में हुई थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई इस बैठक की अगुवाई खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने की थी। मंत्रालय ने कहा कि 27 नई एकीकृत शीत भंडारण परियोजनाओं में आधुनिक, नवोन्मेषी ढांचे और देशभर में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए प्रभावी शीत भंडारण सुविधाओं के लिए कुल 743 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मंत्रालय ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए 208 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान दिया जाएगा। इससे देश की ` बयान में कहा गया है कि नई एकीकृत शीत भंडारण परियोजनाओं से 16,200 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसका लाभ 2,57,904 किसानों को मिलेगा।

मी स्टोर' का कंपनी के भारतीय कारोबार में 15 प्रतिशत योगदान : श्याओमी

नई दिल्ली। मोबाइल हैंडसैट बनाने वाली चीन की कंपनी श्याओमी भारत में अपने 'मी स्टोर' की संख्या बढ़ाना जारी रखेगी। कंपनी ने सोमवार को कहा कि यह उसके भारतीय कारोबार में करीब 15 प्रतिशत का योगदान देता है। श्याओमी ने वर्ष 2014 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया। पहले कंपनी सिर्फ ऑनलाइन फोन की बिक्री करती थी। बाद में कंपनी ने 2017 में अपनी विशेष खुदरा दुकानों 'मी स्टोर' की शुरुआत की। मी स्टोर के अलावा कंपनी 75 ये अधिक 'मी होम्स', 45 से अधिक 'मी स्टूडियोज' और फ्रेंचाइजी के तहत 8,000 से अधिक 'मी प्रीफर्ड पार्टनर्स' स्टोर की श्रृंखला का भी परिचालन करती है। श्याओमी के भारतीय कारोबार के प्रबंध निदेशक मनु जैन ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'मी स्टोर वर्तमान में देश के छोटे से छोटे शहरों में मौजूद है। कंपनी के पास कश्मीर और अंडमान एवं निकोबार में भी 'मी स्टोर' हैं। इनमें से कई स्टोर आम लोगों ने खोले हैं जिन्हें खुदरा क्षेत्र या स्मार्टफोन उद्योग का कोई अनुभव नहीं था। ये ऐसे लोग थे जो उद्यमी और कारोबार के मालिक बनना चाहते थे।' उन्होंने कहा कि कंपनी ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में अपना 3,000वां 'मी स्टोर' खोला है। कंपनी के लगभग सभी मी स्टोर लाभ में हैं और आर्थिक दृष्टि से व्यवहारिक बने हुए हैं।

बिजली खपत लगभग सामान्य स्तर पर पहुंची, अगस्त महीने में खपत में अंतर केवल 0.85 प्रतिशत रही

नई दिल्ली।

आर्थिक गतिविधियां बढ़ने के साथ बिजली खपत अगस्त में कोविड-19 के पहले के स्तर पर लगभग पहुंच गयी है। पिछले महीने कुल बिजली खपत 110.57 अरब यूनिट रही जो पिछले साल के इसी माह के मुकाबले महज 0.85 प्रतिशत कम है। ऐसी उम्मीद है कि इस महीने यह सामान्य स्तर से ऊपर पहुंच जाएगी। बिजली मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार पिछले साल अगस्त महीने में बिजली खपत 111.52 अरब यूनिट थी। आंकड़े के अनुसार सरकार के आर्थिक गतिविधियों में छूट और उमस भरी गर्मी के साथ बिजली खपत विशेष रूप से अगस्त महीने में बढ़ी। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये 25 मार्च से 'लॉकडाउन' लगाया था। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित हुई। फलतः बिजली मांग के साथ

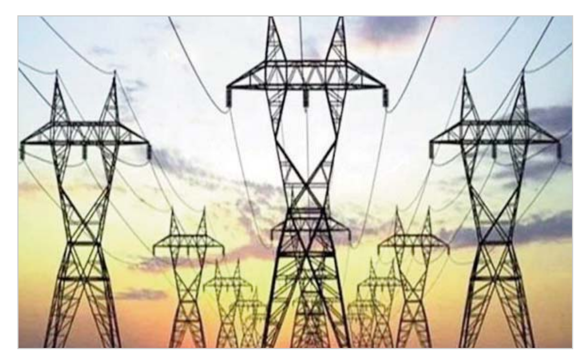

खपत कम हुई। जुलाई महीने में बिजली खपत में कमी का अंतर कम होकर 3.6 प्रतिशत पर आ गया था। इस दौरान बिजली खपत 112.24 अरब यूनिट रही जबकि एक साल पहले 2019 के इसी माह में खपत 116.48 अरब यूनिट थी। आंकड़े के अनुसार जून में बिजली खपत 10.93 प्रतिशत घटकर 105.08 अरब यूनिट थी जबकि एक साल पहले 2019 के इसी महीने में खपत 117.98 अरब यूनिट थी। मई और अप्रैल में बिजली खपत में क्रमशः 14.86 प्रतिशत और 23.21 प्रतिशत की कमी आयी थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार 'लॉकडाउन' में ढील देकर आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसका लाभ हो रहा है और बिजली खपत पिछले साल के सितंबर महीने के मुकाबले इस माह सामान्य स्तर से ऊपर जा सकती है। इस बीच, बिजली की अधिकतम मांग को पूरा करने के लिये आपूर्ति अगस्त महीने में 1,67,490 मेगावाट रही जो पिछले साल इसी महीने में 1,77,520 मेगावाट के मुकाबले 5.65 प्रतिशत कम है।

अमेजन को एफएए से ड्रोन के जरिए डिलवरी की अनुमति मिली

न्यूयॉर्क। अमेजन से किसी सामान की आकाश मार्ग से डिलिवरी जल्द वास्तविकता बनने जा रही है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने सोमवार को कहा कि उसने अमेजन को पैकेज की डिलिवरी ड्रोन से करने की अनुमति दे दी है। अमेजन ने कहा कि यह अनुमति एक महत्वपूर्ण कदम है लेकिन इसके साथ ही उसने जोड़ा कि वह अभी ड्रोन की उड़ान और अन्य परीक्षण कर रही है। कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह ग्राहकों को कब तक ड्रोन के जरिए डिलिवरी शुरू करेगी। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कई साल से ड्रोन के जरिए सामानों की आपूर्ति पर काम रही है। लेकिन इसे कई तरह की नियामकीय अड़चनों का सामना करना पड़ा है। अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेफ बेजोस ने 2013 में एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि कंपनी पांच साल में ग्राहकों को ड्रोन के जरिए डिलिवरी शुरू कर देगी। अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेफ बेजोस ने 2013 में एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि कंपनी पांच साल में ग्राहकों को ड्रोन के जरिए देगी। कंपनी पांच साल में ग्राहकों को ड्रोन के जरिए डिलिवरी शुरू कर देगी।

जुकरबर्ग को पछाड़ एलन मस्क बने दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स

बिजनेस डेस्क।

फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को पीछे छोड़ एलन मस्क दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, एलन मस्क की ऑटोमोबाइल कंपनी टेस्ला के शेयरों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण मस्क की संपत्ति बढ़कर 115.4 अरब डॉलर हो गई है, जबकि जुकरबर्ग की संपत्ति 110.8 अरब डॉलर है। टेस्ला की बाजार पूंजी अब 464 बिलियन डॉलर हो गई है और इसने रिटेल क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट को मार्केट वैल्यू के मामले में पीछे छोड़ दिया है। राजस्व के मामले में टेस्ला अब अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। टेस्ला के शेयर में इस साल 500 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, इस साल एलन मस्क की संपत्ति में 87.8 फीसदी की वृद्धि हुई है। संपत्ति के मामले में एलन मस्क अब केवल माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स और जेफ बेजोस से पीछे हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी कुल संपत्ति 202 बिलियन डॉलर है। इस साल उनकी संपत्ति में 87.6 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी संपत्ति अभी 125 बिलियन डॉलर है। इस साल उनकी संपत्ति में 11.7 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंचे फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में इस साल 32.4 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं, पांचवें सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट की संपत्ति 85.7 बिलियन डॉलर है और उनकी संपत्ति इस साल 19.5 बिलियन डॉलर कम हुई है। भारत के उद्योगपति मुकेश अंबानी इस लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। उनकी संपत्ति 79.8 बिलियन डॉलर है और इस साल उनकी संपत्ति में अब तक 21.2 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अमीर शख्सियतों की गिनती में मस्क के अलावा जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट दुनिया की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। बात दें कि उन्होंने लोओरियल की मालकिन फ्रैंकोई बेटनकोर्ट मेयर्स को पीछे छोड़ा है।

सोने में 418 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में तेजी आने के बाद स्थानीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 418 रुपये की तेजी के साथ 52,638 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 52,545 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी को भी भारी लिवाली का समर्थन मिला और इसकी कीमत 2,246 रुपये की तेजी के साथ 72,793 रुपये प्रति किग्रा पर पहुंच गई जो विगत कारोबारी सत्र में 70,547 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी आने के अनुरूप दिल्ली में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में 418 रुपये की तेजी आई, हालांकि रुपये में लाभ दर्ज होने से सोने की तेजी पर कुछ अंकुश लग गया।'' घरेलू शेयर बाजार में तेजी तथाडॉलर के कमजोर होने से मंगलवार को रुपये में 73 पैसे का उछाल आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ दर्शाता 1,988 डॉलर प्रति औंस बोला जा रहा था जबकि चांदी का भा मामूली तेजी के साथ 28.77 डॉलर प्रति औंस बोला जा रहा था। पटेल ने कहा, ''डॉलर में गिरावट के कारण सोने में लाभ जारी रहा।'' व मामूली तेजी के साथ 28.77 डॉलर प्रति औंस बोला जा रहा था। पटेल ने कहा, ''डॉलर में गिरावट के कारण सोने में लाभ जारी रहा।''

सितंबर महीने में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, वक्त रहते निपटा लें अपने जरूरी काम

नई दिल्ली।

मंगलवार यानि से सितंबर महीना शुरू हो गया है। कोरोना के इस दौर में लोग बैंकों में जाने से बच रहे हैं। लोगों नेट बैंकिंग और मोबाइल बैकिंग के जरिए ही अपने कामों को निपटा रहे हैं, लेकिन कुछ काम ऐसे होते है जिनके लिए आपको बैंक जाना पड़ता है। सितंबर महीने में बैंक 12 दिन बंद रहने वाले हैं। अगर आपको कुछ कामों को निपटाने के लिए बैंक जाना है तो हमें यह जाने लेना जरूरी है कि उस दिन बैंक की छुट्टी न हो। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार रविवार और शनिवार के अलावा सितंबर में कुछ अतिरिक्त छुट्टियां भी हैं और कुछ क्षेत्रीय त्योहार भी हैं। उस दिन बैंक की छुट्टी न हो। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार रविवार और शनिवार के अलावा सितंबरउस दिन बैंक की छुट्टी न हो। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार रविवार और शनिवार के अलावा सितंबर में कुछ अतिरिक्त छुट्टियां भी हैं और कुछ क्षेत्रीय त्योहार भी हैं। इन त्योहारों पर देश के कुछ राज्यों में बैंकों की छुट्टियां होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार कुछ शहरों में की छुट्टियों के चलते सितंबर में कुछ दिन बैंक बंद रहेंगे। बैंक ने सितंबर 2020 में बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है। हम बताते हैं कि सितंबर महीने में किस किस दिन बैंकों को छुट्टी होने वाली है। 01 सितंबर - सिक्किम में ओणम की वजह से बैंक बंद रहेंगे। 02 सितंबर - श्री नारायण गुरु जयंती मनाई जाएगी. इस दिन गंगटोक, कोच्चि और तिरुवनन्तपुरम में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 06 सितंबर - रविवार होने के चलते सभी राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 12 सितंबर - महीने का दूसरा शनिवार रहने की वजह से इस दिन सभी राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 13 सितंबर - रविवार को भी सभी राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 17 सितंबर - महालय अमावस्या के कारण अगरतला, कोलकाता और बेंगलुरु में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 20 सितंबर - रविवार होने के कारण पूरे देश में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 21 सितंबर - श्री नारायण गुरु समाधि दिवस है। इस दिन कोच्चि और तिरुवनन्तपुरम में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 23 सितंबर - हरियाणा हीरोज शहादत दिवस के मौके पर हरियाणा में बैंकों में अवकाश रहेगा। 26 सितंबर - महीने का चौथा शनिवार रहने की वजह से देश के बैंकों में छुट्टी रहेगी। 27 सितंबर - रविवार को भी सभी राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 28 सितंबर - सरदार भगत सिंह जयंती के कारण पंजाब में कई बैंकों में अवकाश रहेगा।

कारों की बिक्री में सुधार, अगस्त में मारुति की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की बिक्री अगस्त में 17.1 प्रतिशत बढ़कर 1,24,624 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 1,06,413 वाहन बेचे थे। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि अगस्त में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 20.2 प्रतिशत बढ़कर 1,16,704 इकाई पर पहुंच गई, जो अगस्त, 2019 में 97,061 इकाई रही थी। माह के दौरान कंपनी की मिनी कारों..आल्टो और वैगन आर की बिक्री 94.7 प्रतिशत बढ़कर 19,709 इकाई पर पहुंच गई, जो अगस्त, 2019 में 10,123 इकाई थी। इसी तरह कॉम्पैक्ट खंड में स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर की बिक्री 14.2 प्रतिशत बढ़कर 61,956 इकाई पर पहुंच गई, जो अगस्त, 2019 में 54,274 इकाई रही थी। मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री 23.4 प्रतिशत घटकर 1,223 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,596 इकाई थी। कंपनी के यूटिलिटी वाहनों विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 13.5 प्रतिशत बढ़कर 21,030 इकाई पर पहुंच गई, जो अगस्त, 2019 में 18,522 इकाई रही थी। अगस्त में कंपनी का निर्यात 15.3 प्रतिशत घटकर 7,920 इकाई रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 9,352 इकाई रहा था।

विदेशी तेलों का दबदबा बढ़ने से खाद्य तेल बाजार में नरमी, बेपड़ता पर हो रहा आयात

नयी दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बावजूद देश में आयात सस्ता पड़ने से स्थानीय तेल-तिलहन बाजार में मंगलवार को सरसों, सोयाबीन तथा पाम एवं पामोलीन तेल तिलहन सहित लगभग सभी तेल तिलहनों में कमजोरी का रुख रहा और भाव हानि दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि कांडला हाजिर कारोबार में पाम तेल 7,640 रुपये क्विन्टल के भाव बिक रहा है वहीं दूसरी तरफ आयातक 7,900 रुपये प्रति क्विन्टल के भाव सौदे कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जब देश में पाम तेल सितंबर, अक्टूबर और नवंबर डिलीवरी भाव सस्ते दाम पर उपलब्ध हैं तो विदेशों से महंगे दाम पर विदेशीमुद्रा खर्च कर, तेल आयात करने का औचित्य क्या है? सरकार को बैंकों को इस 'गोलमाल' पर गौर करना चाहिये। सूत्रों का कहना है कि घरेलू तेल उद्योग की भलाई के लिये आयात कारोबार के इस कुचक्र से निजात मिलनी चाहिये। देशी तेलों की मांग काफी कमजोर हुई है। सूरजमुखी और मूंगफली तिलहनों के भाव तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से भी 10-20 प्रतिशत नीचे बोले जा रहे हैं जिससे इनकी कीमतों में गिरावट आई है। सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयात के कारण भाव नीचे रहने से हर साल 25-30 प्रतिशत फसल बाजार में नहीं खप पाती और इनका स्टॉक किसानों के पास रह जाता है।

यह स्थिति तब है जबकि देश अपनी खाद्यतेल जरुरत को पूरा करने के लिये 70 प्रतिशत आयात करता है। तेल-तिलहन बाजार के थोक भाव मंगलवार को इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल)सरसों तिलहन - 5,365- 5,415 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,725- 4,775 रुपये। सरसों तिलहन - 5,365- 5,415 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,725- 4,775 रुपये। वनस्पति घी- 965 - 1,070 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 12,230 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,800- 1,860 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,700 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,675 - 1,815 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,785 - 1,905 रुपये प्रति टिन। तिल मिल डिलिवरी तेल- 11,000 - 15,000 रुपये। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 9,540 रुपये।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 9,390 रुपये। सोयाबीन तेल डीगम- 8,420 रुपये। सीपीओ एक्स-कांडला-7,630 से 7,680 रुपये। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 8,500 रुपये। पामोलीन आरबीडी दिल्ली- 9,150 रुपये। पामोलीन कांडला- 8,340 रुपये (बिना जीएसटी के)।

ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नयी दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के वाणिज्य मंत्रियों ने मंगलवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की नई पहल के लिए काम करने की मंशा जताई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, निवेश एवं पर्यटन मंत्री साइमन बर्मिंघम और जापान के आर्थिक, व्यापार एवं उद्योग मंत्री काजियामा हिरोशी ने इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। इन नेताओं ने अपने अधिकारियों को इसके ब्योरे पर जल्द से जल्द काम करने का निर्देश दिया ताकि इसे इसी साल बाद में शुरू किया जा सके। कोविड-19 संकट तथा आर्थिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आए वैश्विक स्तर के बदलावों के मद्देनजर वाणिज्य मंत्रियों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को ठोस या जुझारू बनाने की जरूरत पर बल दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग की जरूरत पर बल देते हुए मंत्रियों की नई पहल के लिए काम करने की सहमति जताई।'' इन नेताओं ने कहा कि इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए कंपनियों तथा शैक्षणिक समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण है। इन नेताओं ने कहा कि इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए कंपनियों तथा शैक्षणिक समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण है। इन नेताओं ने क्षेत्र के अन्य देशों से इस पहल में शामिल होने का आह्वान किया।

के अन्य देशों से इस पहल में शामिल होने का आह्वान किया। त्रिपक्षीय बैठक को संबोधित करते गोयल ने कहा कि यह पहल कोविड-19 के बाद में ऐसे उचित मौके पर शुरू होने जा रही है जबकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला पर नए सिरे से मंथन की जरूरत होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक मेरे लिए बेहद खास विश्वनाथन आनंद

चेन्नई । भारतीय शतरंज टीम ने आज प्रेस कोन्फ्रेंस की इस दौरान भारतीय टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे इस दौरान पंजाब केसरी नें इन विश्व शतरंज ओलंपियाड विजेता टीम से बातचीत की ! के इस अंक मे हम पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद , भारत के नंबर दो खिलाड़ी पेंटाला हरिकृष्णा और टीम कप्तान विदित गुजराती से खास बातचीत प्रस्तुत कर रहे है । विश्वनाथन आनंद - 5 बार विश्व खिताब जीतने के बाद यह खिताब कितना मायने रखता है इस सवाल के जबाब मे आनंद नें कहा खियालड़ी पेंटाला हरिकृष्णा और ओलंपियाड मे पदक जीतना मेरे लिए बहुत खास है । टीम का हिस्सा होकर इसे जीतने पर जो रोमांच और ऊर्जा महसूस हो रही है मुझे ये बहुत अच्छा लग रहा है ,इतने सारे खिलाड़ियों का एक साथ आना और एक लक्ष्य के लिए काम करना ये बहुत ही प्रेरणा देने वाला था खासतौर पर इस कोविड 19 के मुश्किल समय मे ,पिछले कुछ समय मे यह मेरा सबसे बड़ा सामाजिक कार्यक्रम बन गया । निश्चित तौर विश्व शतरंज ओलंपियाड का पदक जीतना मेरे खेल जीवन मे जीते गए खिताबों की अलमारी मे एक बेहद खास स्थान लेगा, यह एक यादगार क्षण है ! कप्तान विदित गुजराती - 25 वर्ष मे कप्तान बनकर कैसा महसूस किया और अनुभव कैसा था खिताब जीतने का इसके जबाब मे विदित नें कहा की मुझे बेहद खुशी है ।

राष्ट्रीय पुरस्कार

रानी और दीपिका को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से हॉकी कोच मरिने खुश

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा है कि उन्हें टीम की कप्तान रानी रामपाल और दीपिका को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से काफी खुशी हुई है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार की घोषणा की थी। रानी को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न के लिए चुना गया है। रानी भारत की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी है जिन्हें इस सम्मान ने नवाजा जा रहा है। उनके अलावा दीपिका को अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा। इन दोनों खिलाड़ियों को 29 अगस्त के दिन राष्ट्रपति भवन में वर्चुअल समारोह के जरिए यह सम्मान दिया जाएगा। मरिने ने कहा- मैं रानी और दीपिका के लिए काफी खुश हूं। मैं टीम के लिए भी खुश हूं क्योंकि भले ही यह अवॉर्डटीम की एक सदस्य को मिलेगा लेकिन यह पूरी टीम के लिए एक उपलब्धि है। मुझे बहुत खुशी हुई कि महिला हॉकी टीम को उनके मेहनत के लिए पुरस्कृत किया गया है। 14 दिनों तक क्वारेंटीन में रहने के बाद मरिने ने कहा कि संभावित सदस्य बुनियादी गतिविधियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा- खिलाडियों के क्वारंटीन पीरियड खत्म होने पर हम एक बार फिर शुरुआत कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि सभी खिलाड़ी स्वस्थ हैं और इन लोगों ने इस दौरान अपना ख्याल रखा है। कोच ने कहा- मुझे निजी तौर पर काफी अच्छा लग रहा है कि मैं जिससे प्यार करता हूं वो कर पा रहा हूं। इससे मुझे ऊर्जा मिल रही है। संभावित सदस्यों के रोजाना रुटीन पर मरिने ने कहा- हम भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और हॉकी इंडिया की ओर से जारी एसओपी को ध्यान में रखकर खेल गतिविधियां कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि टीम 5 महीने बाद मैदान पर दोबारा वापसी कर रही है।

महिला मुक्केबाज सिमरनजीत को पंजाब सरकार ने दिया 5 लाख का चैक

चंडीगढ़।

पंजाब के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पंजाब की पहली महिला मुक्केबाज सिमरनजीत कौर को पांच लाख रुपए का चैक लुधियाना में सिमरनजीत कौर की माता राजपाल कौर को भेंट किया। ज्ञातव्य है कि कुछ समय पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने सिमरनजीत को अपने कार्यालय में विशेष तौर पर बुलाया था और उन्हें पांच लाख रुपए देने का ऐलान किया था। सोढी ने मंगलवार को यहां बताया कि सिमरनजीत ओलंपिक के लिए क्वालीफाई होने वाली पहली पंजाबी महिला मुक्केबाज हैं। उन्होंने खिलाड़ी की माता को मुबारकबाद देते हुए कहा कि न सिर्फ पंजाब बल्कि देश को उस पर गर्व है जिसने एशिया ओसनिया क्वालीफाई मुकाबले में रजत पदक जीतकर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच ओलम्पिक का टिकट हासिल किया था। राणा सोढी ने सिमरनजीत की ओलंपिक की तैयारी का समूचा खर्चा उठाने का भी ऐलान किया। उन्होंने बताया कि लुधियाना जिले के गाँव चकर की इस मुक्केबाज ने गांव से ही अपना करियर बनाना शुरू किया था। सिमरन ने 2013 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक, 2018 में सीनियर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक और 2019 में एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीते। मोहाली स्थित पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में भी इस मुक्केबाज ने तैयारी की। मौजूदा समय में यह खिलाड़ी ओलंपिक की तैयारी में व्यस्त है।

भास्करन और अशोक ने की मांग- ध्यानचंद स्टेडियम से हटे गृह मंत्रालय का कार्यालय

नई दिल्ली । भारत को आखिरी बार 1980 में हॉकी का ओलंपिक स्वर्ण जिताने वाले कप्तान वासुदेवन भास्करन और मेजर ध्यानचंद के पुत्र पूर्व ओलंपियन अशोक कुमार ने कहा है कि राजधानी स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से गृह मंत्रालय का कार्यालय हटाया जाना चाहिए। दोनों पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने एक सुर में कहा कि खेल स्टेडियमों में खेल से जुड़े दफ्तर ही होने चाहिए। 1980 के मास्को ओलंपिक की स्वर्ण विजेता भारतीय हॉकी टीम के कप्तान भास्करन ने कहा- स्टेडियमों में मंत्रालयों के बजाए खेल फेडरेशनों को जगह दी जानी चाहिए, जैसे पहले होता था। इसके साथ ही स्टेडियम परिसर में खेल म्यूजियम खोले जाने चाहिए। अशोक ने कहा- स्टेडियमों में खेल और खिलाडियों से जुड़ी गतिविधियां ही होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि हॉकी प्रेमी राकेश थपलियाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख कर मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से गृह मंत्रालय का कार्यालय हटवाने और मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न के सम्मान से अलंकृत करने का अनुरोध किया था। भास्करन ने कहा- मैं लंदन स्थित लॉर्ड्स स्टेडियम गया तो वहां एक म्यूजियम बना है और उसमें जाने के लिए टिकट लेना पड़ता है। मैं और अशोक कुमार इस मैदान पर 1978 में घास पर चार देशों का हॉकी टूर्नामेट खेले थे। ऐसा ही हमारे देश में हर स्टेडियम में किया जाना चाहिए। अशोक ने कहा- कहने को तो इस स्टेडियम का नाम ध्यानचंद के नाम पर रख दिया लेकिन आप देखो कितने साल हो गए वहां कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट ही नहीं हुआ है। ना राष्ट्रीय प्रतियोगिता वहां होती है।

मेस्सी को लेकर असमंजस बरकरार, बार्सिलोना पहला मैच विल्लारीयाल से खेलेगा

मैड्रिड ।

बार्सिलोना यह नहीं जानता कि अगले सत्र में उसे स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की सेवाएं मिल पाएंगी या नहीं लेकिन उसे इतना पता है कि नए सत्र की शुरुआत में वह अपना पहला मैच सितंबर के आखिर में विल्लारीयाल के खिलाफ खेलेगा। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा ने सोमवार को अपने कैलेंडर की घोषणा की।पहले दौर के मैच सितंबर के दूसरे सप्ताहांत में खेले जाएंगे। लेकिन पिछले सत्र में देर तक खेलने वाले बार्सिलोना और कुछ अन्य टीमों को को तैयारी के लिये समय दिया गया है और उनके शुरुआती मैच स्थगित कर दिये गये। सभी मैच खाली स्टेडियमों में खेले जाएंगे। लीग को उम्मीद थी कि मैचों में सीमित संख्या में दर्शकों को आने की अनुमति दी जाएगी लेकिन स्पेन में कोरोना वायरस के कई नये मामले सामने आ गये हैं। मेस्सी ने पिछले सप्ताह बार्सिलोना को बताया था कि वह क्लब छोड़ना चाहते थे। वह सोमवार को टीम के पहले अभ्यास सत्र के लिये नहीं आये। वह रविवार को कोरोना वायरस परीक्षण के लिये भी नहीं पहुंचे थे जो क्लब के ट्रेनिंग सेंटर में किया गया था। बार्सिलोना को अपना पहला मैच में इस साल शीर्ष डिवीजन में जगह बनाने वाले एल्ची के खिलाफ और दूसरा मैच एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलना था लेकिन इन्हें स्थगित कर दिया गया है। विल्लारीयाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अब बार्सिलोना 27 सितंबर को विल्लारीयाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड के खिलाफ उसका पहला मैच अक्टूबर में कैंप नोउ में जबकि दूसरा मैच अगले साल 11 अप्रैल को मैड्रिड में होगा। अब बार्सिलोना 27 सितंबर को विल्लारीयाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड के खिलाफ उसका पहला मैच अक्टूबर में कैंप नोउ में जबकि दूसरा मैच अगले साल 11 अप्रैल को मैड्रिड में होगा।

संक्षिप्त समाचार

धोनी की टीम के कोरोना पॉजिटिव सदस्यों की हुई जांच, जानें सभी 13 लोगों की रिपोर्ट

स्पोर्ट्स डेस्क । कुछ दिनों पहले आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक चेन्नई सुपर किंग्स के 13 सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे जिसमें 2 खिलाड़ी भी शामिल थे। अब एक बार फिर धोनी की टीम के सदस्यों की कोरोना जांच हुई है और 13 लोगों की रिपोर्ट आ गई है। जानकारी के मुताबिक सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। लेकिन अभी वह प्रैक्टिस नहीं कर पाएंगे। चेन्नई के सभी सदस्यों का गुरुवार को फिर कोरोना वायरस टेस्ट किया जाएगा। इस दौरान यदि सभी की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो 5 सितंबर से प्रैक्टिस की मंजूरी मिल जाएगी। हालांकि यदि ऐसा नहीं होता तो टीम को प्रैक्टिस शुरू करने के लिए और इंतजार करना होगा। गौर हो कि भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण इस साल आईपीएल यूएई में खेला जा रहा है। आईपीएल 19 सितम्बर से शुरू होगा और फाइनल मैच 10 नवम्बर को खेला जाएगा। फिलहाल अभी आईपीएल का शेड्यूल जारी नहीं किया गया है।

रैना के बाद अब चेन्नई का ये स्टार खिलाड़ी भी छोड़ने वाला है आईपीएल 2020, सामने आई बड़ी जानकारी!

स्पोर्ट्स डेस्क । चेन्नई सुपर किंग्स के अहम खिलाड़ी सुरेश रैना ने निजी कारणों की वजह से आईपीएल 2020 से अपना नाम वापस ले लिया है। अब स्पिनर हरभजन सिंह के भी आईपीएल से हटने की खबरें सामने आ रही हैं जिस पर चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारियों ने चुप्पी तोड़ते हुए इस मामले पर सारी स्थिति साफ की है। चेन्नई सुपर किंग्स के टॉप दर्ज के अधिकारी ने हरभजन की गैर मौजूदगी पर बात करते हुए कहा कि उन्हें 1 सितम्बर को यूएई आकर टीम में शामिल होना था लेकिन एक बार फिर उनका आना टल गया। हमें नहीं पता कि वह कब आ रहे हैं, आ भी रहे हैं या फिर नहीं। अधिकारी ने कहा कि हरभजन ने इस बारे में मैनेजमैंट को कोई अपडेट नहीं दिया है। अधिकारी ने आगे कहा, उनके आईपीएल से बाहर होने की खबरें फिलहाल अफवाहें हैं। गौर हो कि कुछ दिनों पहले चेन्नई के 13 सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी जिसमें 2 खिलाड़ी भी शामिल थी। इसके कुछ समय पश्चात रैना ने निजी कारणों का हवाला देकर आईपीएल 2020 से नाम वापस ले लिया था और वापस लौट आए थे। रैना के हवाले से एक वेबसाइट ने लिखा था कि उनके लिए उनके बच्चे सबसे महत्वपूर्व हैं। आईपीएल का पहला मैच 19 सितम्बर को खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 10 नवम्बर को होगा। फिलहाल पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है।

फुटबॉल : पेरिस सेंट जर्मेन के दो खिलाड़ी कोविड-19 से संक्रमित

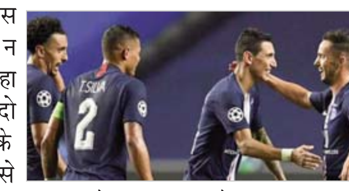

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने कहा है कि उसके दो खिलाड़ियों के कोविड-19 से संक्रमित होने की आशंका है। फ्रांसीसी चैंपियन टीम ने इन खिलाड़ियों की पहचान उजागर नहीं की है। उन्हें जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल अपनाने के लिए कहा गया है। पीएसजी को आठ दिन पहले चैंपियन्स लीग फाइनल में बायर्न म्यूनिख के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। उसे 10 सितंबर तक फ्रांसीसी लीग में अपने सत्र की शुरुआत नहीं करनी है। फ्रांसीसी लीग ने पीएसजी के विश्राम के लिये अतिरिक्त समय देने के आग्रह को मान लिया था तथा टीम का लेन्स के खिलाफ पहला मैच अगले सप्ताह तक स्थगित कर दिया गया था।

कोच पैडी अप्टन बोले - आईपीएल में कोहली जैसे खिलाड़ियों को करना पड़ सकता है संघर्ष

नई दिल्ली ।

अनुभवी मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अप्टन ने कहा कि हैसलाअफजाई के लिए बाहरी तत्वों पर निर्भर रहने वाले विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में संघर्ष करना पड़ेगा जबकि जो खिलाड़ी खुद से प्रेरणा लेते हैं वे इसमें काफी बेहतर करेंगे। कोविड-19 महामारी के कारण आईपीएल के आगामी सत्र का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में जैव-सुरक्षित माहौल में 19 सितंबर से होगा। अप्टन ने कहा कि स्टेडियम के अंदर दर्शकों के नहीं होने से कई खिलाड़ी संघर्ष कर सकते हैं। अप्टन ने कहा, 'बड़े मैचों वाले खिलाड़ी उस समय दबाव को बेहतर तरीके से झेलते है जब वहां आस-पास बड़ी संख्या में लोग होते हैं। इस बार मैच खाली स्टेडियम में होंगे जिससे खिलाड़ियों पर उस स्तर का दबाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'विराट कोहली जैसे बड़े मैचों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को यह देखना होगा कि दर्शकों के शोर-गुल और हैसलाअफजाई के बिना वह वैसा प्रदर्शन कर पायेंगे? उन्होंने कहा, 'आपको ऐसे खिलाड़ियों को ढूंढना होगा जो दबाव में आमतौर पर प्रदर्शन नहीं कर पाते है। दर्शकों की गैरमौजूदगी में वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। दक्षिण अफीका के 51 साल के अप्टन 2011 में विश्व विजेता बनने वाली भारतीय टीम के मानसिक अनुकूलन कोच थे। उन्होंने कहा कि खुद से प्रेरणा लेने वाले खिलाड़ी, हौसलाअफजाई के लिए बाहरी तत्वों पर निर्भर रहने वालों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, 'जो खिलाड़ी खुद से प्रेरणा लेते है वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बाहर से आत्मविश्वास, प्रेरणा लेने वाले खिलाड़ी संघर्ष करेंगे। आईपीएल, बिग बैश लीग और पाकिस्तान सुपर लीग जैसे टूर्नामेंटों में कई टीमों को कोचिंग दे चुके अप्टन ने कहा कि लगभग तीन महीने तक जैव रूप से सुरक्षित माहौल में रहना खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'कई अन्य खिलाड़ी हैं जिनकी स्थिति सुरेश रैना की तरह हो सकती है।

भारत में तरणताल दोबारा खुलने पर ट्रेनिंग शुरू करूंगा : खाड़े

नई दिल्ली । स्वीमिंग पूल से पांच महीने तक दूर रहने के बाद भारत के सबसे प्रतिभावान तैराकों में से एक वीरधवल खाड़े की प्राथिमकताएं बदल गई हैं जिनका कहना है कि भारत में तरणताल खुलने तक वह अपने काम पर ध्यान लगाकर संतुष्ट हैं जिसने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने में मदद की। एशियाई खेल 2010 के कांस्य पदक विजेता खाड़े ने दुबई में ओलंपिक के दावेदारों के लिए ट्रेनिंग शिविर से बाहर रहने का फैसला करके स्पष्ट कर दिया कि वह महाराष्ट्र सरकार में अपनी नौकरी पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। 29 वर्षीय तैराक ने पीटीआई से कहा कि वह भारत में तरणताल खुलने पर ही खेल में वापसी करेंगे। कोविड-19 महामारी के चलते लॉकडाउन के कारण मार्च से स्वीमिंग पूल बंद हैं। खाड़े ने कहा- मैं संन्यास नहीं ले रहा हूं। भारत में जब भी पूल खुलेंगे तो मैं दोबारा ट्रेनिंग शुरू करूंगा। मैं अब भी घर में वर्कआउट करके खुद को फिट रख रहा हूं। मैं इस तथ्य से खुश हूं कि मैं अपने काम और परिवार को अधिक समय दे पा रहा हूं और अपने आप को तैराकी के इतर भी तैयार कर रहा हूं। देश में तैराक 25 मार्च से स्वीमिंग पूल में नहीं उतर पाए हैं जब पहली बार कोरोना वायरस लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। इसके कारण भारतीय तैराकी संघ (एसएफआई) को दुबई में दो महीने का शिविर आयोजित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। खाड़े ने कहा कि वह जून तक ट्रेनिंग के लिए वापसी करने को लेकर उत्सुक थे लेकिन इसके बाद उन्होंने प्रेरणा खोना शुरू कर दिया । उन्होंने कहा- मैंने पांच महीने से ट्रेनिंग नहीं की है। मैं अपने जीवन में सबसे फिट होने वाली स्थिति से शून्य पर पहुंच गया हूं। पांच महीने लंबा समय होता है। जून तक मैं काफी सकारात्मक था, में स्वयं को फिट रख रहा था और मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर था लेकिन इसके बाद नकारात्मकता हावी हो गई। मैं स्वयं पर ही सवाल उठाने शुरू कर दिए। खाड़े ने पिछले साल 50 मीटर में 22.44 सेकेंड के समय के साथ ओलंपिक 'बी' क्वालीफिकेशन स्तर हासिल किया था।

नोवाक जोकोविच और ओसाका दूसरे दौर में, गॉफ बाहर

न्यूयार्क। नोवाक जोकोविच ने वर्ष 2020 में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए आसान जीत के साथ यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की लेकिन अमेरिकी किशोरी कोको गॉफ को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अपने इस विजय क्रम को निश्चित तौर पर जारी रखना चाहता हूं कि लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं हर दिन इसे पहली प्राथमिकता मानता हूं। यह मेरे लिये अतिरिक्त प्रेरणा जरूर है। इससे मुझे अधिक दमदार और बेहतर खेल दिखाने की प्रेरणा मिलती है। कोविड-19 महामारी के कारण इस बार यूएस ओपन में दर्शकों को अनुमति नहीं दी गयी है। इस बीच 2018 की महिला चैंपियन नाओमी ओसाका को अपनी हमवतन जापानी खिलाड़ी मिसाकी दोइ के खिलाफ तीन सेट तक जूझना पड़ा। इस बीच 2018 की महिला चैंपियन नाओमी ओसाका को अपनी हमवतन जापानी खिलाड़ी मिसाकी दोइ के खिलाफ तीन सेट तक जूझना पड़ा। विश्व के नंबर एक सर्बियाई खिलाड़ी ने अपना 18वें ग्रैंडस्लैम जीतने के अभियान की शुरुआत दामिर दाजुमहर पर 6-1, 6-4, 6-1 की जीत से की।

क्वारंटाइन के दौरान होटल के कमरे से खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे रहे राजस्थान के कोच

स्पोर्ट्स डेस्क।

यूएई में बढ़ते कोविड-19 के बीच बॉयो-सिक्योर बबल के अंदर आईपीएल की टीमें अभ्यास कर रही हैं। ऐसे में अब राजस्थान रॉयल्स के लिए सकारात्मक खबर हैं। दरअसल उनके क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक दुबई पहुंच गए हैं और अपने होटल के कमरे से खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की देख रेख कर रहे हैं। टीम के यूएई जाने से एक सप्ताह पहले 37 साल के राजस्थान के पूर्व विकेटकीपर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे और उन्हें पूरी तरह ठीक होने तक भारत में रहने के लिए कहा गया था। अब याग्निक कोरोना वायरस टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद दुबई पहुंच चुके हैं और क्वारंटाइन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब मैं कोविड-19 पाजिटिव आया तो मैं थोड़ा चिंतित था ... लेकिन समय के साथ मैं समझ गया कि बीमारी के बारे में कुछ भी असामान्य नहीं है और मुझे बीसीसीआई और राजस्थान रॉयल्स द्वारा स्थापित स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मैं 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन में था और 13-14 तारीख को मेरा फिर से टेस्ट किया गया जिसके नतीजे नेगेटिव निकले।

फिर मैंने टीम में शामिल होने के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस टेस्ट भी पास कर लिया। मंगलवार को फील्डिंग कोच के क्वारंटाइन का चौथा दिन है और उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि वह होटल के कमरे से ही टीम तैयार कर रहे हैं। कोच याग्निक ने कहा, मैं फिर से टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। जाहिर है, मैं टीम के साथ यात्रा नहीं कर सका और प्रारंभिक प्रशिक्षण सत्र में चूक गया, लेकिन मैं मैदान पर प्रशिक्षण सत्र में वापस आने के लिए उत्सुक हूं। मैं क्षेत्र प्रशिक्षण सत्र के बारे में सभी खिलाड़ियों और अपने सहयोगियों और सह-कर्मचारियों के साथ संपर्क में हूं। पहले दिन से हम अपने उद्देश्य के बारे में स्पष्ट हैं, जो जीतना है। इसलिए जहां तक फील्डिंग ट्रेनिंग की बात है; मैंने बहुत सारे क्षेत्ररक्षण अभ्यास तैयार किए हैं जो मैच गति और दबाव से मिलते जुलते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रियंका चोपड़ा

चैडविक बॉसमैन के निधन से दुखी हुई प्रियंका चोपड़ा, कही ये बात

साल 2020 में लागातार बुरी खबरें सामने आ रही हैं. हॉलीवुड स्टार चैडविक बॉसमैन (Chadwick Boseman) का शुक्रवार को निधन हो गया. कोलन कैंसर की वजह से 43 की उम्र में चैडविक बोसमैन ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया. चैडविक बोसमैन के निधन की खबर सुनकर हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक में शोक की लहर है. इसी बीच एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर अपना दुख जाहिर किया है.

प्रियंका चोपड़ा ने चैडविक बॉसमैन के लिए लिखा नोट

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) हॉलीवुड एक्टर चैडविक बॉसमैन के निधन पर काफी दुखी हैं. इस बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है. प्रियंका ने चैडविक की एक तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, 'यह साल इतना कठिन रहा. प्रतिभाशाली अभिनेता को खो दिया. चैडविक, आपने एक मूक लड़ाई लड़ी, पिछले कुछ वर्षों की सबसे प्रेरणादायक फिल्मों में से कुछ फिल्में आप ने दी. आपकी विरासत हमेशा के लिए जीवित रहेगी. मेरी प्रार्थना आपके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं.'

चैडविक बोसमैन को था आंत का कैंसर

बता दें कि, चैडविक बोसमैन (Chadwick Boseman) बीते चार साल से कैंसर से लड़ रहे थे. उन्हें कोलोन कैंसर (आंत का कैंसर) था. चैडविक बोसमैन के प्रतिनिधि ने बताया कि, दिवंगत अभिनेता की पत्नी और परिवार अंतिम समय में उनके साथ थे. चैडविक बोसमैन के निधन के बाद उनके परिवार की ओर से एक आधिकारिक बयान भी जारी किया गया है, जिसमें उन्हें एक सच्चा योद्धा बताया है.

Amitabh Bachchan फिर मचाने वाले हैं धमाल, 'केबीसी 12' का पहला प्रोमो जारी

महानायक अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) अपने लोकप्रिय शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (KBC) के अगले सीजन की शूटिंग शुरू कर दी हैं. बॉलीवुड मेगास्टार 'कौन बनेगा करोड़पति 12' के सेट पर वापस लौट आए हैं. शनिवार यानी 29 अगस्त को शो का पहला प्रोमो जारी किया गया. इस प्रोमो में होस्ट अमिताभ बच्चन अपने पुराने अंदाज में सीट पर बैठे दिखे, इसके साथ ही वह एक नई थीम भी लेकर आए हैं.

प्रतिभागी के साथ नजर आए अमिताभ बच्चन

सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से केबीसी (KBC) का प्रोमो शेयर किया है जिसमें अमिताभ बच्चन के साथ एक प्रतिभागी नजर आ रहा है. इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, जो भी हो, सेट बैक का जवाब, कमबैक से दो, केबीसी 12 जल्द ही शुरू हो रहा है सोनी टीवी पर. इस वीडियो में कंटेस्टेंट 1000 रूपये जीतकर बेहद खुश नजर आ रहा है. अमितभ बच्चन पूछते हैं आप सिर्फ इतनी रकम जीतकर खुशी मना रहे हैं. वह कहते हैं, मैं 500 रुपये से अपने बिजनेस की शुरूआत की थी और फिर 10 करोड़ तक ले गया था, फिर सब खत्म हो गया, इस बार हजार से शुरू करूं, आप ही सोचिये कहां तक लेकर जाऊंगा. उनका जवाब सुनकर अमिताभ बच्चन भी भावुक हो जाते हैं.

मई में शुरू हुआ था रजिस्ट्रेशन

बता दें, कौन बनेगा करोड़पति के 12वें सीजन के लिए इस बार 9 मई से रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया था. जिसमें उन्होंने 14 सवाल पूछे थे. जिसके बाद 25 जून से दोबारा रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया था, लेकिन यह केवल SONYLIV यूजर्स के लिए था. कोरोना वायरस के कारण इस बार KBC 12 के लिए ऑडिशन डिजिटली लिया गया था

बाढ़ पीड़ित गांव के मददगार बने Salman Khan, किया ये वादा पूरा

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान (Salman Khan) ने फरवरी में महाराष्ट के खिद्रापुर गांव के लोगों के घर बनवाने का वादा किया था और अब सलमान खान ने यह वादा पूरा कर दिया है. वह महाराष्ट के बाढ़ प्रभावित खिद्रापुर गांव में घरों के पुनर्निर्माण में मदद करवा रहे हैं. अभिनेता ने उस गांव को गोद लिया था जो 2019 में बाढ़ से बेहद प्रभावित था. अब घरों के पुनर्निर्माण शुरू करने के बारे में कैबिनेट मंत्री ने पुष्टि की है.

कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाटिल ने दी जानकारी

महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाटिल (Rajendra Patil) ने जानकारी देते हुए कहा कि, 70 प्रभावित घरों में काम आखिरकार शुरू हो गया है. सलमान खान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अभिनेता की मदद से, सरकार 70 परिवारों को उनके घरों के पुनर्निर्माण में मदद करने में सक्षम रही. फरवरी में सलमान खान ने एक कंपनी की मदद से गांव के लोगों के घर बनवाने का वादा किया था, जिनके घर 2019 में आई बाढ़ से प्रभावित हो गए थे. उस दौरान सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी थी.

बिग बॉस 14' की मेजबानी कर रहे हैं सलमान

सलमान खान (Salman Khan) की फिल्म 'राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई' को ईद पर रिलीज किया जाना था, लेकिन COVID-19 महामारी की स्थिति और लॉकडाउन के कारण फिल्म की डेट टाल दी गई है. अभिनेता 'बिग बॉस' के नए सीजन की मेजबानी करने के साथ वापस आ रहे हैं. एक दशक से इस शो से जुड़े सलमान अब 'बिग बॉस 14' में नजर आएंगे, जिसके प्रोमो पहले ही आउट हो चुका हैं.

बॉलीवुड की फार्मूला फिल्मों में प्रतिभाशाली अभिनेताओं की जरुरत नहीं होती

नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड जहां भाई-भतीजावाद से भरा पड़ा है वहीं कुछ ऐसे भी अभिनेता है जिन्होंने अपने बल पर कामयाबी की शिखर को छुआ है। ऐसे ही कुछ चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी जिन्होंने काफी जद्दोजहद के बाद अपना एक मुकाम हासिल किया है।

बॉलीवुड में चल रहे परिवारवाद के विषय पर अब हर कोई खुल कर अपने विचार रखने लगा है। हर वो अभिनेता जो कभी न कभी इनके गुट्टबाज़ी का शिकार रह चुका है वह भी अब इस बहस में शामिल हो रहा है। कुछ समय से छिड़े इस विवाद को हवा सुशांत सिंह राजपूत के निधन से मिली। कई टेलीविज़न और हिंदी फिल्म अभिनेताओं इसी विषय में सोशल मीडिया पर जम कर अपना गुस्सा भी निकाला।

बॉलीवुड जहां भाई-भतीजावाद से भरा पड़ा है वहीं कुछ ऐसे भी अभिनेता है जिन्होंने अपने बल पर कामयाबी की शिखर को छुआ है। ऐसे ही कुछ चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी जिन्होंने काफी जद्दोजहद के बाद अपना एक मुकाम हासिल किया है। और अब उन्होंने भी इंडस्ट्री में चल रहे इस नेपोटिस्म के विवाद पर अपने विचार ज़ाहिर किये हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जब नवाज़ से नेपोटिस्म को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा "नेपोटिस्म हर जगह है लेकिन मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मुझे उस तरीके की फिल्में अपनी ओर आकर्षित ही नहीं करती जिसका सीधा ताल्लुक़ नेपोटिस्म से हो। ऐसे कई फिल्मकार हैं जो बॉलीवुड के फार्मूला से हट कर फिल्में बनाते हैं और मैं वैसी ही फिल्में करना पसंद करता हूं।

उन्होंने आगे कहा अगर आप सपना देखते हैं किसी ऐसी फिल्म का हीरो या हीरोइन बनने का जिसमें 4-5 आइटम नंबर हो तो आप वैसी ही फिल्मों के लायक हैं और तब फिर आपके लिए वहां पर बहुत लम्बी कतार है। मेरा मानना है कि इस तरह की फार्मूला फिल्मों में फिर आपको हुनरबाज़ कलाकारों की जरुरत नहीं होती। आपको यह भी पता होना चाहिए कि आपकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल कहां और कैसे हो सकता है।

नवाज़ ने कहा कि इसमें कोई बुराई नहीं कि यदि किसी महत्त्वाकांक्षी कलाकार के पास बहुत पैसे हैं और वह उसे अपने लुक्स या फिर नाच-गाने जैसी कला को सीखने में खर्चना चाहता है, लेकिन फिर उसका अभिनय से कोई मतलब नहीं रह जायेगा। वहीं, यदि आप इंडस्ट्री में अपना ज्ञान और अपने अभिनय के हुनर को साथ लेकर आते हैं तो फिर ऐसी फिल्मों के पीछे आपको नहीं भागना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कैसे जब वे इंडस्ट्री में नए-नए आये थे तो अनुराग कश्यप ने उन्हें सलाह दी थी कि उन्हें ऐसे निर्देशकों के साथ काम करना चाहिए जो उनकी योग्यता को समझ कर उन्हें सही किरदार निभाने का मौका दें, जिसमें वे अपने हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन कर सकेंगे और न की ऐसी फिल्में जहां उनके लुक्स की वजह से उन्हें सही किरदार ही न मिल सके और उनके कला की बर्बादी हो जाये।

बता दें कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी फ़िलहाल अपने परिवार के साथ उनके गाँव बुढ़ाना में रह रहे हैं और वहीं से अपनी फिल्म %रात अकेली है के लिए ऑनलाइन प्रमोशन भी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके सामने राधिका आप्टे नज़र आ रही हैं और यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होते ही काफी सुर्ख़ियों भी बटोर चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका की रणनीति चीन को हर मोर्चे पर पीछे धकेलने की: उप विदेश मंत्री

वाशिंगटन।

एक अमेरिकी राजनयिक ने सोमवार को कहा कि चीन अपने हितों के हर मोर्चे पर लड़ाई तेज कर रहा है, इसलिए अमेरिका की रणनीति भारत के गलवान घाटी पर संप्रभुता के दावे सहित सभी मोर्चों पर चीन को पीछे धकेलने की है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री स्टीफन बिगन ने 'तीसरे भारत-अमेरिका नेतृत्व सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि तार्किक संतुलन और साझे हित की तलाश करने के बजाय अमेरिका ने पाया कि प्रौद्योगिकी की चोरी हो या अन्य देशों के जमीन और समुद्री इलाकों पर राष्ट्रीय संप्रभुता का दावा, चीन ने जितना हो सकता था, उतना मौकों का दोहन किया। इस सम्मेलन का आयोजन गैर लाभकारी संगठन 'अमेरिका भारत रणनीति एवं साझेदारी मंच' (यूएसआईएसपीएफ) ने किया था। उन्होंने कहा, ''अमेरिका सभी मोर्चों पर उसे पीछे धकेलने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है।'' बिगन ने 'तीसरे भारत-अमेरिका नेतृत्व सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारी रणनीति चीन को वस्तुत- हर क्षेत्र में पीछे धकेलने की है। हम यह सुरक्षा के क्षेत्र में कर रहे हैं। हम यह पर संप्रभु इलाकों पर दावा जताने की उसकी बेमानी मांगों के संदर्भ में कर रहे हैं, चाहे भारत-चीन सीमा पर भारत की गलवान घाटी का मामला हो या फिर दक्षिण प्रशांत सागर का।'' उन्होंने कहा कि ट्रम्प प्रशासन भी आर्थिक मामलों में यही कर रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत रह चुके रिचर्ड वर्मा से बात करते हुए बिगन ने कहा,'' राष्ट्रपति ने चीनी अर्थव्यवस्था के अनुचित और दमनकारी तौर-तरीकों के खिलाफ कार्रवाई की है और पहले चरण का व्यापार समझौता (इस दिशा में) बस पहला कदम है। आने वाले वर्षों में अमेरिका-चीन आर्थिक संबंधों में संतुलन लाने के लिए ढेर सारे कदम उठाए जाएंगे।'' उन्होंने रेखांकित किया कि बहुत लंबे समय से, चीन को विशेष विशेषाधिकार और लाभ, और यहां तक कि उनके बीच के संदेह का लाभ देने की इच्छा थी, ताकि चीन को अधिक आधुनिक और समृद्ध बनाया जा सके।'' बिगन ने कहा कि बीस साल पहले जब चीन को विश्व व्यापार संगठन में लाने के लिए पहल की गई तो नीति निर्माताओं को मानना था कि चीन जिन संस्थानाओं से जुड़ रहा है उससे उसकी राजनीतिक प्रणाली और चीनी हितों में बदलाव होगा और वह अधिक नियम आधारित व्यवस्था बनेगा। उप विदेशमंत्री ने कहा, ''दुर्भाग्य से अमेरिकी प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि सभी मोर्चो पर यह प्रयोग असफल रहा है और मैं यह उल्लेख करना चाहता हूं कि हम चीन को दोबारा पीछे धकेलेंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह सबसे असफल धारणा रही कि चीन के संस्थानों से जुड़ने से अंतत- चीन बदल जाएगा। अमेरिका ने पाया कि इस शताब्दी में चीन ने तेजी से विकास किया और इन संस्थानों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल इन संस्थानों में चीन के हितों में बदलाव के लिए कर रहा है।''

बिगन ने कहा, ''अमेरिका के नजरिये से यह अस्वीकार्य है और विश्व स्वास्थ्य संगठन या विश्व बौद्धिक संपदा संगठन जैसे संस्थानों में हम उसे पीछे धकेल रहे हैं। हम जोरदार धक्का दे रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित कर सकें कि ये संगठन अपने मूल सिद्धांतों का पालन करें या हम स्पष्टकर देंगे कि हम उन कोशिशों का हिस्सा नहीं बनेंगे, लेकिन यहां सरकार की पूरी कोशिश पुरानी स्थिति पर लाने की है। ''

बिगन के कहा, ''आंतरिक रूप से चीन,साथ-साथ तिब्बत की सांस्कृतिक पहचान मिटाने की कोशिश कर रहा है। वह सैकड़ों हजारों, अगर लाखों नहीं तो उइगर मुस्लिमों को उनकी आस्था और ऐतिहासिक परंपरा से अलग करने की कोशिश कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि चीनी सरकार ने ब्रिटेन-चीन के बीच हांगकांग के हस्तांतरण को लेकर हुए समझौते का उल्लंघन किया है ।

कोरोना महामारी के बीच सोसाइटी को इतनी जल्दी खोलना बनेगा तबाही का कारण

जिनेवा।

विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस की महामारी के बीच समाजों को इतनी जल्दी खोलना तबाही का कारण बनेगा। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम गब्रेयसस ने सोमवार को जोर देकर कहा कि जो देश लॉकडाउन खोलने के प्रति गंभीर है उन्हें संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए भी गंभीर होना चाहिए। उन्होंने कहा, इसे संतुलित करना असंभव नहीं है। टेड्रोस ने देशों, समाजों और लोगों को चार बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया जिनमें बड़े आयोजनों से बचने, सबसे असुरक्षित लोगों की रक्षा, स्वयं की रक्षा और संक्रमितों का पता लगाने और उनके संपर्क में आए लोगों को पृथक करने के लिए पता लगाने, अलग करने, जांच करने और संक्रमित पाए जाने पर उचित देखभाल शामिल है। डब्ल्यूएसओ प्रमुख ने कहा कि नये सर्वेक्षण में पता चला है कि इसमें शामिल 90 प्रतिशत देशों में कोविड-19 की वजह से अन्य स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं। उल्लेखनीय है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों की स्वास्थ्य सेवाओं पर कोविड-19 के असर का आकलन करने के लिए 105 देशों में यह सर्वेक्षण किया गया था। टेड्रोस ने कहा कि मार्च और जून में पांच क्षेत्रों में कराए गए सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि मौजूदा महामारी की तरह स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए बेहतर तैयारी की जरूरत है। सर्वेक्षण से पता चला कि 70 प्रतिशत देशों में नियमित टीकाकरण सबसे अधिक प्रभावित हुआ। 70 प्रतिशत देशों में नियमित टीकाकरण सबसे अधिक प्रभावित हुआ। करीब एक चौथाई देशों ने कहा कि महामारी की वजह से आपात चिकित्सा सेवा प्रभावित हुई है।

चीन ने ऑस्ट्रेलियाई टीवी एंकर को किया गिरफ्तार, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

बीजिंग।

चीन ने सरकारी अंग्रेजी न्यूज चैनल में पिछले कई सालों से काम कर रही ऑस्ट्रेलियाई टेलीविजन एंकर चेंग लेई को हिरासत में ले लिया है। राजधानी बीजिंग में हिरासत में रखी गईं चेंग लेई की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। इस केस ने ऑस्ट्रेलिया और चीन के रिश्ते में नई चुनौती खड़ी कर दी है। चेंग लेई पिछले 8 सालों से सीजीटीएन में काम कर रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार पर अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। हालांकि उन्हें 'एक निर्दिष्ट स्थान पर आवासीय निगरानी' में रखा गया है। विदेश मंत्री मैरिस पायने ने बयान जारी करके चेंग लेई को हिरासत में लिए जाने के खबर की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए लेई से बातचीत करने की इजाजत दी गई थी। बयान के मुताबिक, 14 अगस्त को चीनी अथॉरिटीज की ओर से चेंग लेई को हिरासत में लिए जाने की सूचना दी गई। 27 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेस के जरिए ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने संपर्क साधा था। साथ ही कहा गया है कि चेंग लेई और उनके परिवार को ऑस्ट्रेलिया की ओर से पूरी मदद मुहैया कराई जाएगी। चीनी स्टेट मीडिया में मौजूद चेंग लेई के सहकर्मी उस समय काफी चिंतित हो गए थे, जब वो उनके मैसेज का जवाब नहीं दे रही थीं। ऐसे में उनके दोस्तों के बीच चेंग को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाने लगे थे।

चेंग लेई पिछले 8 सालों से सीजीटीएन में काम कर रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार पर अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। हालांकि उन्हें 'एक निर्दिष्ट स्थान पर आवासीय निगरानी' में रखा गया है।

परीक्षण के तीसरे चरण में पहुंचा 'एस्ट्राजेनेका का कोविड-19 टीका: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए 'एस् ट्राजेनेका द्वारा विकसित टीका परीक्षण के तीसरे चरण में पहुंच गया है और यह अंतिम मंजूरी मिलने के करीब है। कई एजेंसियों के समूह 'ऑपरेशन वार्प स्पीड के तहत इस टीके का तीसरे चरण का परीक्षण किया जा रहा है । अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा संस्थान के नेतृत्व वाले इस समूह का लक्ष्य कोविड-19 के चिकित्सकीय उपाय के विकास में तेजी लाना और जनवरी 2021 तक प्रभावी टीके की 30 करोड़ खुराक मुहैया कराना है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, '' मुझे यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि 'एस् ट्राजेनेका का टीका परीक्षण के तीसरे चरण में पहुंच गया है। उन्होंने कहा, '' यह टीकों के अन्य समूहों का हिस्सा बन रहा है, जिनका परीक्षण जल्द पूरा हो जाएगा और अंतिम मंजूरी के लिए तैयार हो जाएगा। 'एस्ट्राजेनेका कोविड-19 का टीका बनाने की दौड़ में सबसे आगे चल रही कंपनियों में से एक है।इसके अलावा 'मॉर्डना इंक और 'पीफाइजर इंक द्वारा विकसित टीके भी तीसरे चरण के परीक्षण में हैं। इसके अलावा 'मॉर्डना इंक और 'पीफाइजर इंक द्वारा विकसित टीके भी तीसरे चरण के परीक्षण में हैं।

सो रही महिला के मुंह मे घुस गया 4 फुट लंबा सांप, शरीर से निकालते उड़े डाक्टरों के होश

इंटरनेशनल डेस्क।

रूस में एक सोती हुई महिला के मुंह के जरिए 4 फुट से लंबा सांप उसके शरीर में प्रवेश कर गया। रूस के दागिस्तान इलाके के लेवाशी गांव में घटी यह सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। हालांकि शरीर में प्रवेश करने के बाद सांप का दम घुट गया था और उसकी मौत हो गयी लेकिन वह गर्दन में ही अटका रह गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब महिला को इस बात का एहसास हुआ तो वह सीधे अस्पताल पहुंची। महिला ने डॉक्टर को बताया कि उसे शरीर में कुछ अजीब सी चीज फंसी हुई महसूस हो रही है। जांच में पता चला कि उसके शरीर में सांस की नली सांप फंसा है तो महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर्स ने लड़की को एनस्थीसिया दिया और बड़ी सावधानी से सांप को बाहर निकाला। डॉक्टर्स को भी पहले नहीं पता था कि ये 4 फुट लंबा सांप होगा लेकिन इसे बाहर निकालने के बाद उनके भी होश उड़ गए। महिला के मुंह से सांप निकाल रही डॉक्टर भी इतना बड़ा सांप देखकर घबरा गई और उसके मुंह से चीख निकल गई। डॉक्टर्स के

मुताबिक सांप की मौत हो चुकी थी हालांकि निकालते वक़्त उन्हें इस बात का भरोसा नहीं था क्योंकि वो बेहोश भी हो सकता था। दागिस्तान हेल्थ डिपार्टमेंट ने अस्पताल में हुए इस अजीबो-गरीब ऑपरेशन की फुटेज भी जारी की है। हेल्थ डिपार्टमेंट ने लोगों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि वे आंगन या खुली जगहों पर सोने से बचे और बच्चों का भी ख्याल रखें। बता दें कि ये महिला घर के आंगन में जमीन पर ही सो गई थी।

कोरोना वायरस ने महिलाओं तथा पुरुषों के बीच असमानता की खाई को और गहरा किया : गुतारेस

इंटरनेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी ने महिलाओं एवं पुरुषों के बीच असामनता को और गहरा कर दिया है तथा लैंगिक समानता एवं महिला अधिकारों के मोर्चे पर हुई प्रगति को पलट दिया है। गुतारेस ने एक डिजिटल बैठक में युवा महिलाओं को आगाह किया, ''ठोस कार्रवाई के बिना, हमारे सामने एक पीढ़ी को खोने का जोखिम है। उन्होंने कहा कि महामारी की शुरुआत से ही महिलाएं स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों, आवश्यक स्टाफ और अपने परिवारों तथा समुदायों में वाहक के रूप में कार्रवाई के अग्रिम मोर्चे पर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि यद्यपि 70 से 90 प्रतिशत स्वास्थ्यकर्मी महिलाएं हैं, फिर भी केवल 30 प्रतिशत महिलाएं ही निर्णय निर्धारक भूमिकाओं में हैं। गुतारेस ने कहा कि महामारी ने महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य तथा शिक्षा को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''आज विश्वभर में किशोर उम्र की लाखों लड़कियां स्कूल से बाहर हैं, और कुछ देशों में किशोर उम्र की लड़कियों के गर्भवती होने के मामलों में वृद्धि की चिंताजनक खबरें हैं। महासचिव ने कहा, ''हम जानते हैं कि पश्चिम अफ्रीका में जब इबोला बीमारी के फैलने की वजह से किशोर उम्र की लड़कियों ने स्कूल छोड़ा तो फिर वे वापस नहीं आईं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि विश्वभर से लैंगिक हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें आ रही हैं क्योंकि अनेक महिलाओं को उन लोगों के साथ रहना पड़ रहा है जो उन्हें प्रताड़ित करते हैं। उन्होंने कहा, ''महामारी की वजह से महिलाओं को अपने अधिकार और क्षमता हासिल करने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है । महासचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने महिलाओं एवं पुरुषों के बीच असामनता को और गहरा कर दिया है तथा लैंगिक समानता एवं महिला अधिकारों के मोर्चे पर हुई प्रगति को पलट दिया है। गुतारेस ने आगाह किया कि ''खोई हुई प्रगति की भरपाई करने में वर्षों, यहां तक कि पीढ़ियां खप सकती हैं।

करोड़ों लोग हो सकते हैं भुखमरी का शिकार, किसानों के लिए मुश्किल समय

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक कोरोना वायरस की महामारी कई किसानों के लिए मुश्किल समय लेकर आई है और इससे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा का संकट पैदा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ मंगलवार को शुरू हो रहे ऑनलाइन कांफ्रेंस में इसी मुद्दे पर मंथन करेंगे। वे भुखमरी के उन्मूलन और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति को बिगडने से रोकने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। यह चुनौती महामारी और लाखों नौकरियां खत्म होने से दोगुनी हो गई है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने पूर्वानुमान लगाया कि इस साल कोरोना वायरस की महामारी की वजह से दुनिया भर में कुपोषित लोगों की संख्या में 13.2 करोड़ की वृद्धि होगी जबकि अत्यंत कुपोषित बच्चों की संख्या में भी 67 लाख की वृद्धि होगी। एफएओ के महानिदेशक क्यू दोंगयू ने डिजिटल बैठक से पहले टिप्पणी की, हम दो महामारी का सामना कर रहे हैं। कोविड-19 स्वास्थ्य के नुकसान से परे जीविकोपार्जन को कुचल रही है और भूख को बढ़ा रही है जो इस दशक के अंत तक भुखमरी को खत्म करने के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के संकल्प पर कुठाघात है। कोविड-19 स्वास्थ्य के नुकसान से परे जीविकोपार्जन को कुचल रही है और भूख को बढ़ा रही है जो इस दशक के अंत तक भुखमरी को खत्म करने के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के संकल्प पर कुठाघात है। बैठक से पहले तैयार रिपोर्ट में एफएओ ने कहा कि महामारी, कारोना और यात्रा पर रोक की वजह से फसलों की कटाई नहीं हो सकी क्योंकि असहाय प्रवासी मजदूर अपने काम पर नहीं जा सके, कृषक परिवार द्वारा पशुधन बेचने और उपकरणों को लाने के लिए परिवहन आदि की व्यवस्था करने में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

प्रणब मुखर्जी के निधन पर चीन ने जताया दुख, कहा-भारत की दोस्ती के लिए बड़ा नुकसान

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह दिग्गज राजनेता थे और उनका जाना भारत-चीन की मित्रता के लिए बड़ी क्षति है। 84 वर्षीय मुखर्जी का सोमवार को दिल्ली के एक अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया। वह 21 दिन से अस्पताल में थे और अनेक बीमारियों से जूझ रहे थे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक सवाल के जवाब में यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी भारत के दिग्गज राजनेता थे। 50 वर्ष की राजनीतिक यात्रा में उन्होंने चीन-भारत संबंधों में सकारात्मक योगदान दिया है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की 2014 में हुई भारत यात्रा और मुखर्जी से मुलाकात का जिक्र करते हुए चुनयिंग ने कहा कि बैठक के बाद दोनों देशों ने करीबी विकास साझेदारी के निर्माण के लिए संयुक्त बयान जारी किया था। उन्होंने कहा, ''यह भारत और चीन की मित्रता तथा भारत के लिए भारी क्षति है। हम उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हैं और भारत सरकार तथा उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

बेरूत धमाके के बाद मुस्तफा अदीब बने लेबनान के नए प्रधानमंत्री

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरुत में 4 अगस्त को हुए धमाके के चलते प्रधानमंत्री हसन दियाब द्वारा पूरी कैबिनेट के साथ इस्तीफा देने के बाद आज जर्मनी में लेबनान के राजदूत रहे मुस्तफा अदीब को देश का नया प्रधा नमंत्री नियुक्त किया गया है। अदीब को 128 संसदीय वोटों में से 90 वोट हासिल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को हुई बैठक में अदीब को पूर्व प्रधानमंत्रियों का भी साथ मिला। अदीब ने बाबदा पैलेस में राष्ट्रपति मिशेल एउन से मुलाकात के बाद सोमवार को कहा- यह देश के लिए काम करने का समय है। लेबनान में एक बार फिर उम्मीद कायम करने के लिए सभी पार्टियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा- लोग अपने वर्तमान और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जर्मन मीडिया के मुताबिक अदीब 2013 से जर्मनी में लेबनान के राजदूत हैं वे पूर्व प्रधानमंत्री नजीब मिकाती के सलाहकार भी रह चुके हैं। लेबनान की राजनीतिक और संप्रदाय व्यवस्था के तहत केवल सुन्नी मुसलमान ही पीएम बन सकता है। बता दें कि बेरूत में हुए धमाके के बाद लोगों ने प्रधानमंत्री हसन दियाब के विरोध में कई दिनों तक प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्होंने कैबिनेट के साथ 11 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था. लोगों ने उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे ।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमण के 300 नये मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि गत 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के 300 नये मामले आए हैं जिन्हें मिलाकर कोविड-19 मरीजों की कुल संख्या 2,96,149 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि कल रात चार और मरीजों की कोविड-19 से मौत हुई, जिससे पाकिस्तान में इस महमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,298 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 2,80,970 लोग अबतक संक्रमण मुक्त हो चुके हैं जबकि 589 मरीजों की हालत गंभीर है। सिंध प्रांत में सबसे अधिक 1,29,469 कोविड-19 मरीज सामने आए हैं। वहीं पंजाब प्रांत में 96,832, खैबर पख्तूनख्वा में 36,118, इस्लामाबाद में 15,649, बलूचिस्तान में 12,879, गिलगित-बल्टिस्तान में 2,903 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,299 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक प्रशासन ने संक्रमण का पता लगाने के लिए अबतक पाकिस्तान में कुल 26,42,028 नमूनों की जांच कराई है।

भारत और चीन की सीमा निर्धारित नहीं,वहां हमेशा समस्याएं रहेंगी : वांग

बीजिंग। चीन के विदेशमंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत-चीन सीमा का अभी सीमांकन किया जाना बाकी है और इसलिए वहां पर हमेशा समस्याएं बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मतभेदों को संघर्ष में तब्दील होने से रोकने के लिए उनके नेतृत्व के बीच बनी सहमति को लागू करना चाहिए। वांग ने यह भी कहा कि चीन भारत के साथ सभी मुद्दों को बातचीत के जरिये सुलझाने को तैयार है। चीन के विदेश मंत्री इस समय यूरोप की यात्रा पर हैं और उन्होंने यह टिप्पणी सोमवार को पेरिस स्थित 'फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स' में एक संवाद के दौरान की। भारत एवं जापान से चीन के संबंधों से जुड़े एक सवाल पर मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना की उकसावे की नवीनतम कार्रवाई का सीधा उल्लेख नहीं किया। उनकी यह टिप्पणी भारतीय सेना के इस बयान के घंटों बाद आया जिसमें कहा गया कि चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख में उकसावे की कार्रवाई करते हुए पैगोंग झील के दक्षिण में एकतरफा तरीके से यथास्थिति बदलने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि 15 जून को पूर्वी लद्दाख के ही गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई ।

चीनी मीडिया की भारत को धमकी- इस बार 1962 से भी ज्यादा बुरा हाल होगा

इंटरनेशल डेस्क।

चीनी मीडिया का भारत के खिलाफ जहर उगलना जारी है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने एक संपादकीय में कहा है कि अगर भारत उसके साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा में शामिल होना चाहता है तो चीन अतीत से ज्यादा उसकी सेना को नुकसान पहुंचाने में सक्षम है। ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में लिखा भारत ने अपने बयान में कहा कि उसने चीनी सेना की गतिविधि को पहले ही रोक दिया। इससे पता चलता है कि भारतीय सेना ने पहले विंध्वसक कदम उठाया और भारतीय सैनिकों ने ही इस बार संघर्ष शुरू किया। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, भारत अपनी घरेलू समस्याओं से परेशान है, खासकर कोरोना वायरस के हालात से जो बिल्कुल नियंत्रण से बाहर है। रविवार को भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले 78,000 पहुंच गए. अर्थव्यवस्था की स्थिति भी खराब है। सीमा पर उकसाने की गतिविधियों को अंजाम देकर भारत अपनी घरेलू समस्याओं से ध्यान भटकाना चाहता है। चीन दक्षिण-पश्चिम सीमाई इलाकों में रणनीतिक रूप से मजबूत है और किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। अगर भारत शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहता है तो इसका स्वागत है लेकिन अगर भारत किसी भी तरह की चुनौती देना चाहता है तो चीन के पास भारत के मुकाबले ज्यादा हथियार व क्षमता है और पीएलए भारतीय सेना को 1962 से ज्यादा नुकसान पहुंचाने से गुरेज नहीं करेगी। बता दें कि सेना की साजिश की वजह से भारत-चीन सीमा हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। हालांकि बातचीत के जरिए दोनों देश तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन चीन की सरकारी मीडिया ने एक बार फिर जहर उगलना शुरू कर दिया है। फिलहाल दोनों देशों की सेनाओं के बीच चुशूल में ब्रिगेड कमांडर स्तर की वार्ता हो रही है। माना जा रहा है कि इस दौरान पैंगोंग झील के दक्षिणी तट की स्थिति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी। इससे पहले 8 अगस्त को भारत और चीन के बीच मेजर जनरल स्तर की वार्ता हुई थी।

भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम से सऊदी में भूचाल, प्रिंस सलमान ने शाही परिवार के 2 सदस्य किए बर्खास्त

दुबई।

सऊदी अरब में प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के फैसले के बाद यहां की राजनीति में भूचाल आ गया है। सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने शाही परिवार के दो सदस्यों समेत कई अधिकारियों को उनके पद से हटाने का आदेश दिया है। एक शाही फैसले में कहा गया है कि सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने राजकुमार फहाद बिन तुर्की को बर्ख़ास्त कर दिया है। बता दें कि राजकुमार फहाद बिन सलमान यमन में सऊदी की अगुआई वाले सैन्यबलों के कमांडर थे। बताय जा रहा है कि सऊदी अरब के शासक और सर्वेसर्वा माने जाने वाले क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सरकार में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ दी । फहाद बिन तुर्की के बेटे अब्दुल अजीज फहाद को भी डिप्टी गवर्नर के पद से हटा दिया गया है। सऊदी रक्षा मंत्रालय के एक सार्वजनिक आदेश में कहा गया है कि शाही परिवार के इन दो सदस्यों ने चार अधिकारियों के साथ मिलकर संदिग्ध आर्थिक लेनदेन किया है, जिसके लिए उनकी जांच होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते 3 सालों से सरकार और शासन में मौजूद अपने विरोधियों

को साफ करने की मुहिम छेड़े हुए हैं। शाही परिवार के इन लोगों की गिरफ्तारी का असली मकसद राजकुमार सलमान की सत्ता के रास्ते में खड़ी अड़चनों को हटाना है। इससे पहले क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन नायेफ के छोटे भाई प्रिंस अहमद बिन अब्दुल अजीज को गिरफ्तार किए जाने कीखबरें भी सामने आई थीं। बिन सलमान पर कई स्कैंडल्स और षड्यंत्रों में शामिल होने के आरोप भी लगते रहे हैं जिनमें पत्रकार जमाल खागोशी की हत्या सबसे प्रमुख है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अलविदा प्रणब दाः राजकीय सम्मान के साथ पूर्व राष्ट्रपति को दी अंतिम विदाई

नेशनल डेस्क।

राजकीय सम्मान के साथ पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का अंतिम संस्कार किया गया। लोधी श्मशान घाट के मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी और परिवार के बाकी सदस्यों ने पीपीई किट पहनकर उन्हे अंतिम विदाई दी। वहीं इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने मुखर्जी के अंतिम दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुखर्जी का सोमवार की शाम सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। उन्हें गत 10 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी दिन उनके मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी। अस्पताल से पूर्व राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर को आज उनके सरकारी निवास 10, राजाजी मार्ग लाया गया, जहां गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, थल सेना अध्यक्ष जनरल एम एम नरवणे, वायु सेना प्रमुख आर के एस भदौरिया, नौसेना प्रमुख करमबीर सिंह सहित अन्य प्रमुख हस्तियों ने भी मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और हर्ष वर्धन, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा ने भी दिवंगत नेता के दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुखर्जी का अंतिम संस्कार आज दोपहर दो बजे लोधी रोड श्मशान घाट में होगा। केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर 31 अगस्त से छह सितंबर तक सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। मुखर्जी 2012 से 2017 तक देश के 13वें राष्ट्रपति रहे। लंबे समय तक कांग्रेस के नेता रहे मुखर्जी सात बार सांसद भी रहे। भाजपा-नीत केंद्र सरकार ने साल 2019 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''भारत रत्न'' से नवाजा था। पश्चिम बंगाल में जन्में इस राजनीतिज्ञ को चलता फिरता 'इनसाइक्लोपीडिया' कहा जाता था और हर कोई उनकी याददाश्त क्षमता, तीक्ष्ण बुद्धि और मुद्दों की गहरी समझ का मुरीद था। मुखर्जी भारत के एकमात्र ऐसे नेता थे जो देश के प्रधानमंत्री पद पर न रहते हुए भी आठ वर्षों तक लोकसभा के नेता रहे। वे 1980 से 1985 के बीच राज्यसभा में भी कांग्रेस पार्टी के नेता रहे।

पूर्वी लद्दाख विवाद- अजित डोभाल के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ ने सैन्य प्रमुखों के साथ की बैठक

नेशनल डेस्क।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर आज यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मौजूदा हालात की समीक्षा की। वहीं इससे पहले पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो (झील) के दक्षिणी किनारे पर चीन की हिमाकत के बाद भारत-चीन सीमा को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सूत्रों के मुताबिक राजनाथ सिंह ने सैन्य प्रमुखों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की ताजा स्थिति पर बातचीत की और भविष्य की योजना पर भी चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने रक्षा मंत्री को 29 और 30 अगस्त की दरम्यिानी रात पेगांग झील के दक्षिणी किनारे पर चीनी सेना की हरकतों की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा था कि चीन के सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एक बार फिर नापाक हरकत करते हुए 29 और 30 अगस्त की रात दोनों देशों के बीच बनी सहमति का उल्लंघन कर यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जिसका भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया और विफल कर दिया है। सेना प्रमुख ने इस मुद्दे पर चीन के साथ कमांडर स्तर पर हो रही बातचीत के बारे में भी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि ताजा घटनाक्रम के कारण दोनों देशों की सेनाओं के बीच पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से चले आ रहे गतिरोध के लंबे खिंचने की आशंका है क्योंकि इससे सीमा पर एक बार फिर तनाव बढ गया है और दोनों देशों की सेना अपना जमावड़ा बढाने में लगी है।

गणपति बप्पा मोरया...अगले बरस तू जल्दी आ, भक्तों ने धूमधाम से किया भगवान गणेश को विदा

नेशनल डेस्क। देशभर में मंगलवार को भगवान गणेश को भक्तों ने बड़ी धूमधाम से विदा किया। विघ्नहर्ता भगवान गणेश के जन्मदिवस गणेश चतुर्थी पर शुरू हुए पर्यावरण अनुकूल गणेश महोत्सव का मंगलवार को अनंत चतुर्दशी पर समापन हो गया। पर्यावरण में योगदान देने की नई परंपरा का संचार करते हुए श्रद्धालुओं ने मिट्टी के श्री गणेश जी की प्रतिमा का घर-घर में ही विसर्जन कर इस मिट्टी में पौधा लगाना शुरू कर दिया है। गणेश प्रतिमा की स्थापना चतुर्थी के दिन 22 अगस्त को की गई थी और आज 11वें दिन उनका विसर्जन कर दिया गया। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते मास्क लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए राज्यभर में आज अनंत चतुर्दशी के मौके पर गणपति बप्पा की प्रतिमाओं की विदाई और विसर्जन मंदिरों तथा घर-घर में किया जा रहा है। इस साल हर साल की तरह ढोल, नगाडों, बैंड-बाजों की धुन पर गुलाल उड़ाते हुए नाचते गाते गणेश जी की प्रतिमाओं को नदी, तालाबों और समुद्र की ओर ले जाते लोगों की भीड़ नजर नहीं आई। लेकिन आज सुबह से ही भक्तों ने मंदिरों, घरों में आरती, महाआरती, भजन और कीर्तन करते हुए छोटी-बड़ी गणेशजी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के घर कोरोना की एंट्री, परिवार समेत हुए क्वारंटाइन

इंदौर। मध्य प्रदेश के मिनी मुंबई कहे जाने वाले इंदौर में कोरोना का सक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। दिन प्रतिदिन नए मामले सामने आ रहे हैं। आम से खास सभी इसके शिकार हो रहे हैं। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के घर कोरोना की एंट्री हो गई है। उनके छोटे बेटे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है जिसके बाद उन्हें बॉम्बई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेटे की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से विजयवर्गीय के पूरे परिवार को क्वारंटाइन कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार कैलाश विजयवर्गीय के छोटे बेटे कल्पेश विजयवर्गीय की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वे बीते दिनों राजस्थान के कोटा शहर में थे। वहां से लौटने के बाद कल्पेश में कोरोना के लक्षण दिखाई दिए थे। जिसके बाद उनका कोरोना टैस्ट कराया गया तो उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई। इसके बाद उन्हें बॉम्बई अस्पताल में भर्ती करवाया गया । आपको बता दें कि इंदौर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सोमवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबित 258 नए मामले सामने आए हैं।

दिल्ली दंगे : पिंजरा तोड़ की सदस्य को जमानत, अदालत ने कहा- पुलिस भड़काऊ भाषण दिखाने में नाकाम रही पुलिस

नई दिल्ली।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में साम्प्रदायिक हिंसा से जुड़े एक मामले में पिंजरा तोड़ की एक सदस्य देवांगना कालिता को मंगलवार को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि पुलिस यह दिखाने में नाकाम रही कि उन्होंने किसी समुदाय विशेष की महिलाओं को भड़काया या भड़काऊ भाषण दिया । वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन करती दिखाई दीं, जो उनका मौलिक अधिकार है। अदालत ने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन काफी समय तक चले और प्रिंट तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया ने इन्हें पूरा कवर किया। इसके अलावा जगह-जगह पुलिस विभाग के कैमरे भी मौजूद थे, लेकिन ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जो यह साबित करे कि कथित अपराध कालिता की वजह से हुआ। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत साक्ष्य, जिनमें दर्ज किये गए बयान शामिल हैं, काफी देर से पेश किये गए जबकि गवाह कथित रूप से घटनास्थल पर मौजूद रहे थे। न्यायमूर्ति सुरेश कैत ने 21 पन्नों के फैसले में कहा, याचिकाकर्ता के खिलाफ पहले ही दो जून को आरोप पत्र दायर कर दिया गया है। इसके अलावा मैंने सीलबंद लिफाफे में पेश की गई आंतरिक केस डायरी और पेन ड्राइव को भी देखा और पाया कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही थीं, जोकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 में मिला उनका मौलिक अधिकार है। ऐसा कोई भी साक्ष्य पेश नहीं किया गया जिससे यह पता चलता हो कि उन्होंने किसी समुदाय विशेष की महिलाओं को भड़काया या कोई ऐसा भड़काऊ भाषण दिया हो, जिससे एक युवा व्यक्ति का बहुमूल्य जीवन खत्म हो गया और उसकी संपत्ति बर्बाद हुई हो। अदालत ने जेएनयू की छात्रा कालिता को 25,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने उन्हें गवाहों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करने का निर्देश दिया।

अदालत ने यह भी कहा कि वह अदालत की अनुमति के बगैर देश से बाहर नहीं जायेंगी।

देश में 37 लाख के करीब पहुंचे कोरोना के मामले, संक्रमित मरीजों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट

नेशनल डेस्क।

भारत में कोराना के मामलों को लेकर आज कुछ कमी दर्ज की गई। यहां 24 घंटे में कोरोना वायरस के 69,921 नए मामले सामने आए, जिससे कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 36,91,166 हो गई है।संक्रमितों के आंकड़ों में बीते छह दिन में और मौत के आंकड़ों में बीते 28 दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में कुल 36,91,167 केस सामने आ चुके हैं। इनमें से 7,85,996 ऐक्टिव हैं और 28,39,883 लोग ठीक हो चुके हैं। एक दिन में कोरोना से 819 लोगों की मौत हुई है जिससे देश में महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या 65,288 हो गई है। बता दें कि कोरोना संक्रमितों और मौत की संख्या के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे प्रभावित देश है, लेकिन अब अमेरिका-ब्राजील की तुलना में भारत में कई गुना तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। इस सब के बीच राहत की बात यह है कि भारत में मृत्यु दर और एक्टिव केस रेट में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मृत्यु दर गिरकर 1.78त्न हो गई। इसके अलावा एक्टिव केस जिनका इलाज चल है उनकी दर भी घटकर 22त्न हो गई है।

प्रणब मुखर्जी को याद कर भावुक हुए अमित शाह, जारी किया वीडियो संदेश

नेशनल डेस्क।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन से पूरे देश में गम का माहौल है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुखर्जी को याद करते हुए एक वीडियो जारी किया। शाह ने कहा कि पूरे देश के लिए गहरे दुख और सदमे की बात है कि भारत रत्न प्रणब मुखर्जी हम सबके बीच में नहीं रहे। सबको साथ रखने की कला में उनकी महारत थी। अमित शाह ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि जब विपक्ष में रहे तब रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाने में भी कभी पीछे नहीं हटे। जब वो भारत के राष्ट्रपति बने तब राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, राष्ट्रपति भवन को आम आदमी के लिए खोलना ये उनका बहुत बड़ा फैसला था। गृह मंत्री ने कहा कि जो लोग राजनीति में आना चाहते हैं और बिना किसी विवाद के काम करना सीखना चाहते हैं उन्हें प्रणब दा के राजनीतिक जीवन के बारे में जानना चाहिए और उनका अनुसरण करना चाहिए। वहीं इससे पहले शाह ने ट्वीट कर लिखा था कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न प्रणब मुखर्जी जी के निधन से बहुत व्यथित हूं। वह बहुत ही अनुभवी नेता थे और उन्होने पूरी निष्ठा के साथ राष्ट्र की सेवा की। प्रणब दा का प्रतिष्ठित राजनीतिक जीवन पूरे देश के लिए बहुत ही गर्व की बात है। शाह ने ट्वीट में लिखा था कि प्रणब दा का पूरा जीवन मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह देश के लिए अपनी निष्काम सेवा और अमिट योगदान के लिए हमेशा याद किये जायेंगे। मुखर्जी के निधन से भारतीय राजनीति में एक विशाल शून्य उत्पन्न हुआ है।

भारत में सिकुड़ रहा है कोरोना संक्रमण का दायरा, 16 राज्यों में घटे कोरोना के एक्टिव केस

नई दिल्ली।

देश के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामले कम हुए हैं जिसके कारण देश में नये मरीजों की संख्या में रविवार के 16,673 की तुलना में सोमवार को 25 प्रतिशत से भी कम 4,021 की वृद्धि दर्ज की गयी। देश में अंडमान-निकोबार द्वीप, दादर-नगर हवेली एवं दमन-दीव, दिल्ली, लद्दाख, केरल, कर्नाटक, राजस्थान, नागालैंड, बिहार, मिजोरम, मेघालय, ओडिशा, पुडडुचेरी, तमिलनाडु, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में कोरोना के सक्रिय मामले घटे है। देश भर में फिलहाल 7,85,996 सक्रिय मामले हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 69,921 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 36,91,167 हो गया। इस दौरान 65,081 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 28,39,883 हो गयी है। देश में 819 और संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 65,288 हो गयी। इससे पहले 25 अगस्त को 67,151 मामले सामने आये थे तथा 26 से 30 अगस्त तक संक्रमितों की दैनिक संख्या 75 हजार से अधिक क्रमशः 75760, 77266, 76472, 78761 और 78512 रही। पिछले 24 घंटों के दौरान 65,081 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 28,39,883 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 4,021 बढ़कर 7,85,996 हो गये हैं। देश के 819 और संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 65,288 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.29 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.94 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.77 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 510 बढ़कर 1,94,399 हो गयी तथा 184 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 24,583 हो गया। इस दौरान 11,158 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,73,559 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,147 बढने से सक्रिय मामले 1,00,276 हो गये। राज्य में अब तक 3969 लोगों की मौत हुई है, वहीं कुल 3,30,526 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 856 की कमी हुई है और यहां अब 87,254 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 5,702 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,49,467 लोग स्वस्थ हुए हैं।

ताजिया निकालने पर बड़ी कार्रवाई, पूर्व पार्षद समेत 5 पर रासुका

इंदौर। कोरोना काल के दौरान खजराना इलाकों में ताजिए निकालने को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने प्रतिबंध और रविवार को टोटल लॉकडाउन के बावजूद भी ताजिए निकालने वाले 5 लोगों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की है। इसमें पूर्व पार्षद उस्मान पटेल, अंसार पटेल, मोहब्बत अली, इस्माइल पटेल और शहजाद पटेल के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की है। वहीं नियमों का उल्लघंन और शांति भंग करने के मामले में 22 लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बता दें कि, कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रशासन ने रविवार को टोटल लॉकडाउन की घोषणा की थी साथ ही किसी भी तरह के धार्मिक समारोह पर पाबंदी लगाई गई थी। लेकिन खजराना में बड़ला कॉलोनी में सैकड़ों लोग की संख्या पुलिस के सामने ताजिया लेकर सड़क निकल आए। इस दौरान न तो लोगों ने मास्क पहन रखे थे और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया। ताजिए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए खजराना थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव को लाइन अटैच कर दिया था। इसके बाद ताजिए निकालने के मामले में प्रशासन के इंटेलिजेंस पर भी सवाल उठे थे जिसके बाद डीआईजी ने साफ कहा है कि कि खजराना में जो कानून का उल्लंघन हुआ, उस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए केस केस दर्ज किए गए हैं। टीआई को लाइन अटैच कर दिया गया है। वीडियो के आधार पर लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। टीआई को लाइन अटैच कर दिया गया है। वीडियो के आधार पर लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। वही कलेक्टर मनीष सिंह ने एसडीएम, सीएसपी और टीआई के खिलाफ शासन से शिकायत करने की बात कही है। इधर,दोषियों पर कार्रवाई को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने भी डीआईजी को ज्ञापन सौंपा था।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने फिर उठाया नोटबंदी का मुद्दा, बोले- मोदी के गलत फैसलों ने डुबो दी अर्थव्यवस्था

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीडीपी विकास दर में भारी गिरावट को लेकर एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि अर्थव्यवस्था की बर्बादी नोटबंदी से शुरू हुई थी और उसके बाद से एक के बाद एक गलत नीतियां अपनाई गईं। राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट कर लिखा कि जीडीपी -23.9 प्रतिशत हो गई। देश की अर्थव्यवस्था की बर्बादी नोटबंदी से शुरू हुई थी। तब से सरकार ने एक के बाद एक ग़लत नीतियों की लाइन लगा दी। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था डुबो दी। उन्होंने ट्वीट किया कि आज से 6 महीने पहले राहुल गांधी जी ने आर्थिक सुनामी आने की बात बोली थी। कोरोना संकट के दौरान हाथी के दांत दिखाने जैसा एक पैकेज घोषित हुआ। लेकिन आज हालत देखिए। जीडीपी -23.9 प्रतिशत तक गिर गई। भाजपा सरकार ने अर्थव्यवस्था को डुबा दिया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मोदी जी, अब तो मान लीजिए कि जिसे आपने मास्टरस्ट्रोक कहा, वास्तव में वो डिजास्टर स्ट्रोक थे! नोटबंदी, ग़लत जीएसटी, और देशबंदी (तालाबंदी)। गौरतलब है कि कोविड-19 संकट के बीच देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में 23.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आयी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े सोमवार को जारी किए। इन आंकड़ों में जीडीपी में भारी गिरावट दिखी है। सकल घरेलू उत्पाद में पिछले वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

अमेरिका के न्यूयार्क में डूबने से भारतीय छात्र की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया और न्यूयार्क क्षेत्र के पास जलाशय में डूबने से भारतीय छात्र की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मृत छात्र की पहचान अर्पित गोयल (24) के रूप में की गई है और वह बफेलो विश्वविद्यालय का छात्र था। पिछले सप्ताह बुधवार की शाम को वारेन काउंटी में स्थित अलेघेनी जलाशय में डूबने से गोयल की मौत हो गई। पोस्ट जर्नल की खबर के अनुसार गोयल को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। खबर के अनुसार वारेन काउंटी के मुख्य उप कोरोनर (मौत के कारण की जांच करने वाले अधिकारी) टोनी चीमेंटी ने कहा कि गोयल अपने दोस्तों के साथ काउंटी आया था और किन्जुआ तट पर वह और उसके साथी जलाशय में तैर रहे थे। चीमेंटी ने कहा कि गोयल की मौत दुर्घटनावश डूबने के कारण हुई।

डोकलाम के पास चीन की भारत के खिलाफ नई साजिश का खुलासा, सैटेलाइट तस्वीरों से खुली पोल

इंटरनेशनल डेस्क। भारत के खिलाफ चीन की साजिशें एक-एक करके सामने आता जा रही हैं। चीन की चालबाजी गलवान में हिंसक झड़प और लद्दाख में आक्रामकता तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हर तरफ से भारत को घेरने की नापाक कोशिश में जुटा है।इसका खुलासा हुआ है ओपन सोर्स सैटेलाइट तस्वीरों से जिसमें पीपल्स लिब्रेशन आर्मी भारत-भूटान और चीन के ट्राइ जंक्शन पर एक स्ट्रक्चर बनाती नजर आ रही है। यह स्ट्रक्चर एक हेलीपोर्ट प्रतीत होता है जो दो विवादित और संवेदनशील सीमा क्षेत्रों डोकलाम और सिक्किम सेक्टर के बेहद नजदीक है। ट्विटर पर नाम से मौजूद ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनालिस्ट ने तस्वीरों में दिखाया है कि ट्राई जंक्शन के नजदीक संदिग्ध हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह डोका ला (डोका पास) और नाकु ला (नाकु पास) से महज 100 किलोमीटर दूर है। विश्लेषक ने ट्वीट किया, का संदिग्ध हेलीपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत, चीन, भूटान के ट्राई-जंक्शन डोकलाम क्षेत्र को लेकर जारी जांच के दौरान दिखा। यह सभी मौसम में काम करने वाला और सेक्टर में तेजी से सेना की तैनाती और सर्विलांस में सुधार के लिए है। तस्वीरों से पता चलता है कि यह संदेहास्पद हेलीपोर्ट उन दो स्थानों से लगभग बराबर दूरी पर है जहां चीनी सेना जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को तैनात करने के लिए स्थान बना रही है। दोनों ही मिसाइल फैसिलिटी संदिग्द रडार सिस्टम के नजदीक हैं। इक्की ओर से ट्विटर पर साझा ग्राफिक्स में कहा गया है, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा झड़प के इतिहास और विवादित दावों वाले स्थानों पर बुनियादी ढांचे का लगातार निर्माण चीन के दीर्घकालीन महत्वाकांक्षाओं को दिखाता है। डोका ला और नाकु ला से 100 किलोमीटर के भीतर हेलीपोर्ट के निर्माण से विवादित क्षेत्र में मुश्किल हालात के बावजूद हर मौसम में ऑपरेशन को अंजाम दिया जा सकता है।

उधार के पैसे वापस मांगे तो माता- पिता ने ही अपने बेटे को मरवा डाला

नई दिल्ली। कंझावला में उधार के पैसे मांगे तो माता पिता ने अपने ही बेटे की रिश्तेदारों से कहकर पीट- पीटकर हत्या करवा दी। जब मृतक की पत्नी अपने पति को बचाने आई तो उसको भी पीट पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने कुछ रिश्तेदारों को हिरासत में लिया है। जिनने से पूछताछ की जा रही है। वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को फर्श पर काफी ज्यादा खून पड़ा मिला। आसपास ईंट के टुकड़े आदी सामान फैला हुआ था। जिनको पुलिस ने कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक मृत व्यक्ति की पहचान जगबीर सिंह के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ कुबड़ा पाना, निजामपुर कंझावला इलाके में रहता था। उनकी पत्नी सविता ने पुलिस को बताया कि 18 जुलाई को उसके देवर सुनील का देहांत हो गया था। रविवार को उसकी छमाही थी। कार्यक्रम में पति के मामा रामबीर, उनकी पत्नी, बड़े मामा का लड़का संदीप, संदीप की मां, संदीप की पत्नी समेत कई रिश्तेदार आए हुए थे। करीब एक बजे कार्यक्रम खत्म हो गया। सभी रिश्तेदार अपने अपने घर चले गए। शाम साढ़े पांच बजे जब वह अपने पति के साथ थी तब रामबीर अपने पूरे परिवार और गांव में रहने वाले दीपक आदी के साथ घर में घुस आया। अचानक उसके सास ससुर अपने कमरे से बाहर निकल आए। दोनों चिल्लाकर कहने लगे, इन दोनों को जान से मार दो। इतना कहते ही सभी पति को फर्श पर गिराकर लात घूंसों से मारने लगे। जब वह पति को बचाने की कोशिश करने लगी तो उसकी भी बुरी तरह से पिटाई की। इस बीच ससुर ने चिल्लाते हुए कहा कि आज जगबीर बचना नहीं चाहिए। मामा राजबीर ने पास पड़ी ईंट उठाई और पति के सिर और चेहरे पर मार दी। पति खून से लथपथ हालत में बेहोश हो गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। सभी मौके पर से फरार हो गए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिंडोली में तीन शख्सों ने सरेआम शराब तस्कर की हत्या की

सूरत शहर के डिंडोली क्षेत्र में तीन शख्सों ने शराब तस्कर अजलो उर्फ अजय पटेल पर तीक्ष्ण हथियारों से हमला कर दियाद्य हमले में गंभीर रूप से घायल अजलो को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया,

जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक बीती रात करीब 9 बजे अजलो उर्फ अजय और अरुण पटेल नामक शराब तस्कर सूरत के डिंडोली मधुरम सर्कल से गुजर रहा था।

मृतक अजलो उर्फ अजय पटेल

उस वक्त धीरज वाणी, अमोल रबारी और वाल्मिकी गंगाराम पाटील ने अजलो पर तीक्ष्ण हथियारों से हमला कर दिया। अजलो को लहूलुहान कर धीरज, अमोल और वाल्मिकी घटनास्थल से फरार हो गए। गंभीर हालत में अजलो को अस्पताल ले जाया गया।

जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खबर लगते ही डिंडोली पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राथमिक जांच में पता चला कि अजला ने रुपयों के लेन देन में आरोपी धीरज वाणी के पिता प्रकाश वाणी के साथ मारपीट की थी।

संभवतः इसी बात की रंजिश को लेकर धीरज ने अपने साथी अमोल और वाल्मिकी के साथ मिलकर अजलो की तीक्ष्ण हथियारों से गोदकर हत्या कर दी।

मृतक अजलो के खिलाफ डिंडोली पुलिस थाने में प्रोहिबिशन के कई मामले दर्ज हैं।

गुजरात सरकार ने जारी की अनलॉक 4 की गाइडलाइन

अहमदाबाद गुजरात सरकार ने अनलॉक 4 की गाइडलाइन्स जारी करते हुए कंटेंटमेंट जोन को छोड़ अन्य इलाकों में होटल–रेस्टोरंट को रात 11 बजे तक खुली रखने की छूट प्रदान कर दी। सरकार ने अनलॉक 4 अब दुकानें खुली रखने की समयसीमा खत्म कर दी है। दुकानदार चाहे तब तक दुकानें खुली रख सकेंगें। कंटेंटमेंट जोन को छोड़ गार्डन और धार्मिक स्थल भी पूरी तरह से खुले रखे जा सकेंगे। हांलाकि स्कूल–कॉलेज समेत सभी शैक्षिक संस्थाएं 30 सितंबर तक बंद रहेंगी। कंटेंटमेंट झोन को छोड़ अन्य इलाकों में स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाया नहीं जा सकेगा। अनलॉक 4 में रेहडी–टपरी समेत फेरीवालों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। राज्य में 60 प्रतिशत क्षमता के लाइब्रेरी शुरू की जा सकेंगी। रोडवेज और प्राइवेट ट्रावेल्स की बसों का संचालन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ किया जा सकता है। लेकिन सिनेमा और मल्टीप्लेक्स फिलहाल बंद ही रहेंगी।

हांलाकि ऑपन एयर थियेटरों को 21 सितंबर से खोले जा सकेंगे। 21 सितंबर से राज्य में सामाजिक, राजनीतिक, खेल एवं धार्मिक कार्यक्रम किए जा सकेंगे। हांलाकि एक छत के नीचे 100 से अधिक लोगों को मंजूरी नहीं मिलेगी। इस प्रकार के आयोजन में मास्क, सोशल डिस्टेंस, थर्मल स्क्रीनिंग, सैनिटाइजर और कोविड 19 के नियमों का पालन अनिवार्य होगा। कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी अपने शिक्षक और अभिभावकों की सहमति से स्वैच्छा से स्कूल जा सकते हैं।

राज्य सरकार ने अहमदाबाद में मेट्रो ट्रेन शुरू करने का भी फैसला किया है। सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक राज्य में कंटेंटमेंट जोन में लॉकडाउन 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया हैं।

गुजरात में पहली दफा कोरोना के 1300 से अधिक मामले आए सामने

अहमदाबाद कोरोना महामारी शुरू होने के बाद गुजरात में आज पहली दफा 1300 से अधिक केस सामने आए हैं।

राज्य में आज और 14 मरीजों की मौत के बाद कोरोना से मृतांक 3036 पर पहुंच गया है।

वहीं आज 1131 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि आज 78070 समेत राज्य में अब तक कुल 2409906 टेस्ट किए गए।

अब राज्य में कुल 97745 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हो चुके हैं, जिसमें 78913 लोग ठीक हो चुके हैं। जबकि 3036 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है। शेष 15796 एक्टिव केसों में 15704 मरीजों की हालत स्थिर है और 92 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 174, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 145, सूरत में 115, जामनगर कॉर्पोरेशन में 97, राजकोट कॉर्पोरेशन में 89, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 85, भावनगर कॉर्पोरेशन में 37, पंचमहल में 37, राजकोट में 36, वडोदरा में 36, अमरेली में 31, मेहसाणा में 30, पाटन में 26, भरुच में 25, मोरबी में 23, कच्छ में 20, नवसारी में 20, सुरेन्द्रनगर में 20, देवभूमि द्वारका में 19, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 19, गांधीनगर में 18, भावनगर में 16, दाहोद में 16, जामनगर में 16, बनासकांठा में 15, अहमदाबाद में 14, गिर सोमनाथ में 14, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 14, छोटाउदेपुर में 11, जूनागढ़ में 11, बोटाद में 10, महीसागर में 10, साबरकांठा में 9, तापी में 9, खेडा में 8, नर्मदा में 8, पोरबंदर में 8, वलसाड में 7, अरवल्ली में 6, आणंद में 3 और डांग में 3 समेत कोरोना के कुल 1310 नए केस सामने आए हैं।

जबकि 1131 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है।

इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, सूरत में 4, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, गिर सोमनाथ में 1, जामनगर कॉर्पोरेशन में 1, वडोदरा में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत कुल 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

आज की तारीख में राज्य के विभिन्न जिलों में 554685 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 554205 को होम कोरन्टाइन और 480 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड ने कोरोना फंड में दिए पांच करोड़ रुपए

अहमदाबाद गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड की ओर से पांच करोड़ रुपए का चेक कोरोना की वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान के तौर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को सौंपा गया।

गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड की चेयरमैन श्रीमती अवंतिका सिंह और प्रबंध निदेशक हेमंत देसाई ने कंपनी के सामाजिक सेवा उत्तरदायित्व के रूप में मुख्यमंत्री राहत कोष में यह राशि भेंट की।

उल्लेखनीय है कि गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेडवर्ष 2000 से भरुच जिले के दहेज स्थित खंभात की खाड़ी में महत्वपूर्ण व्यावसायिक बंदरगाह के तौर पर कार्यरत है। यह गुजरात सरकार की इकाइयों गुजरात मेरीटाइम बोर्ड (जीएमबी), गुजरात नर्मदा वेली फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड (जीएनएफसीएल), गुजरात आल्कलीज एंड केमिकल लिमिटेड (जीएसीएल), गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड (जीएसएफसीएल), गुजरात इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीआईआईसीएल), गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीआईडीसी) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का संयुक्त उद्यम है।

गुजरात केमिकल पोर्ट लिमिटेड भारतीय और वैश्विक नियमों के अनुसार आधुनिक साधन–सामग्रियों से सुसज्जित बंदरगाह है जो पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात और निर्यात के लिए अहम ढांचागत सुविधाओं से लैस है।

बोडकदेव में निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी के एक साथ 110 श्रमिक कोरना संक्रमित

अहमदाबाद शहर के बोडकदेव में एक निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी के एक साथ 110 श्रमिकों की कोरोना संक्रमित होने की महानगर पालिका प्रशासन में हड़कम्प मच गया हैं।

एक ही स्थान पर इतनी बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज होने की अहमदाबाद में यह पहली घटना है। यह अहमदाबाद के बोडकदेव क्षेत्र की पीएसपी नामक निजी कंस्ट्रक्शन की है।

पीएसपी कंपनी के 110 जितने श्रमिकों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बड़ी संख्या में ये श्रमिक अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी के पीछे रहते हैं और इनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मच गया है।

पीएसपी वही कंपनी है जिसके श्रमिकों ने लॉकडाउन के दौरान पथराव किया था।

फिलहाल श्रमिकों को समरस अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया हैं।

कोविड–19 के केस कुछ भी हो हम को क्या

क्या कोई कानून,नियम हैं की नही बस सुरत मनपा की महेरबानी और उधना ज़ोन की अधिकारीयों की यह काम

सुरत के उधना हरिनगर–3 कोम्युनिटी होल में हो रहा रेपिडटेस्टिंग में इस तरह से बैठा हुआ टेस्टिंग करने वाले स्टाफ

पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रवण मुखर्जी के सम्मान में गुजरात में 7 दिन शोक की घोषणा

अहमदाबाद पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न श्री प्रणब मुखर्जी के दुःखद निधन के शोक और दिवंगत के सम्मान में भारत सरकार ने 31 अगस्त से 6 सितंबर, 2020 के दौरान सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। शोक घोषित करने के भारत सरकार के आदेश के चलते राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने भी गुजरात में शोक मनाने के आदेश जारी किए हैं। जिसके अनुसार राज्य में जिन सरकारी इमारतों पर नियमित रूप से तिरंगा फहराया जाता है, वहां राष्ट्रीय शोक के दौरान यानी 31 अगस्त से 6 सितंबर तक राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। इतना ही नहीं, इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन पर भी प्रतिबंध रहेगा।

पादरी ने नाबालिग लड़की की अश्लील तस्वीरें हासिल कर इसाई धर्म अपनाने को मजबूर किया

अहमदाबाद शहर के अमराईवाडी क्षेत्र स्थित एक चर्च के पादरी द्वारा नाबालिग लड़की को अपने प्रेमजाल में फांसकर उसकी नग्न तस्वीरें हासिल कर ली और उसके तस्वीरों के दम पर उसे इसाई धर्म अपनाने की धमकी दीं। पीड़ित लड़की की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पादरी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं।

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के अमराईवाडी में रहनेवाली 16 वर्षीय लड़की कक्षा 11 की छात्रा हैं। गत 25 दिसंबर को लड़की अपने पड़ौस में रहनेवाली महिला के साथ रबारी कॉलोनी स्थित कलेशिया चर्च में गई थीं।

जहां लड़की की चर्च के पादरी गुलाबचंद से मुलाकात हुई थीं। पादरी ने लड़की से कुछ देर बातचीत की और अपने माता–पिता को चर्च में लाने की बात कहीं। कुछ दिनों के बाद पादरी के भतीजे ने लड़की के पिता को फोन कर चर्च में बुलायां। कुछ दिन बाद गुलाबचंद लड़की के पहुंच गयां। बाद में पादरी लड़की के पिता के फोन पर उसे फोन करने लगा और लड़की को अपने प्रेमजाल में फांस लिया। कई बार पादरी किस करती तस्वीरें और आई लव यू लिखकर भेजने लगाद्य इतना नहीं लड़की जब अकेली होती तब पादरी उसे अपने कपड़े उतारने को कहता और नहीं देने पर उसे बदनाम करने की धमकी देता। लड़की की नग्न तस्वीरें मिलने के बाद गुलाबचंद ने उसे ब्लैकमेल करने लगा और इसाई धर्म अपनाने का दबाव डालने लगा। लेकिन लड़की ने इसाई धर्म अपनाने से इंकार कर दिया। एक सप्ताह पहले पादरी ने लड़की के दूर के चाचा को लड़की की अश्लील तस्वीरें भेज दीं। चाचा ने लड़की के पिता को इसकी जानकारी दी। दो–तीन दिन बाद फिर पादरी ने तस्वीरें भेजीं। इस घटना के बाद लड़की ने पुलिस थाने में पादरी के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी।

’द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एक्टिविटीज़ (प्रिवेन्शन) एक्ट पर सरकार लाएगी अध्यादेश

अहमदाबाद गुजरात को आम नागरिकों के लिए पूर्णतः सुरक्षित बनाने और गुजरात में अपराध मुक्त सामाज के निर्माण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने ’द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एक्टिविटीज़ (प्रिवेन्शन) एक्ट’ पर अध्यादेश लाने का फैसला किया है। इस एक्ट के प्रावधानों के तहत राज्य की विकास यात्रा में अवरोध पैदा करने वाले, सार्वजनिक व्यवस्थाओं में विघ्न डालने वाले, हिंसा, बच्चों का यौन उत्पीडन, अपहरण, गैर कानूनी हथियार रखने वाले असामाजिक तत्वों और धमकी और ज़ोर–ज़बरदस्ती से नागरिकों का शोषण करने वाले की प्रवृत्तियों को सख्ती से निपटने के कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। इतना ही नहीं इस नए अध्यादेश के अंतर्गत, शराब का व्यापार, नशे का व्यापार, अनैतिक व्यापार, मानव देह का व्यापार, जुआ, गायों का कत्लेआम, नकली दवाइयों बिक्री, ब्याजखोरी, अपहरण, ग़ैरकानूनी काम करना या ग़ैरकानूनी हथियार रखना जैसे कई आपराधिक गतिविधियों को गुजरात में पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बहुत ही सख्त कानूनी प्रावधान किए हैं। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में सार्वजनिक शांति–सलामती और निरंतर विकास में रुकावट पैदा करने वाले आपराधिक तत्वों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में या तो उन्हें आपराधिक गतिविधि को छोड़ना होगा या फिर उन्हें गुजरात को ही छोड़कर जाना होगा। अगली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में गुंडों और सभी असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानून लाते हुए ’द गुजरात गुंडा एन्ड एन्टी सोशल एक्टिविटीज़ (प्रिवेन्शन) एक्ट’ पर अध्यादेश लाने का निर्णय किया है। रुपाणी का मानना है कि विकास को उच्च शिखर पर पहुँचाकर सर्वांगीण प्रगति द्वारा उत्तम से सर्वोत्तम गुजरात के निर्माण के संकल्प को पूरा करने के लिये राज्य में कानून और व्यवस्था को भी उत्तम से सर्वोत्तम बनाना ज़रूरी है। पिछले चार सालों में मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गुजरात को अलग–अलग क्षेत्रों में मिली कई उपलब्धियां और पुरस्कार इस बात का प्रमाण है कि देश और दुनिया ने गुजरात को विकास का रोल मॉडल के रूप में स्वीकार किया है।

इसलिए, ऐसे समय में शांति, सलामती और समृद्धि के साथ विकास की गति को और आगे लेकर जाने के लिए यह अध्यादेश एक नया प्रेरक बल बनेगा। मुख्यमंत्री ने हाल ही में, राज्य में गैर कानूनी रूप से ज़मीन को हडपने वाले, भूमाफियों, जुआ–दारू का अवैध धंधा करने वाले आदि असामाजिक तत्वों को रोकने के लिए ’PASA ऍक्ट’ में कई बड़े संशोधन करने का निर्णय लिया है।

यह उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री श्री विजय रुपाणी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक अभियान को शुरू किया था जिसके तहत ACB को और अधिक सशक्त बनाया गया है।

ACB अबआधुनिक टेक्नोलोजी के उपयोग कर भ्रष्ट अधिकारीयों/कर्मचारियों के खिलाफ पूरी सख्ती से काम कर रही है।

जिसके कारण गुजरात में भ्रष्ट अधिकारियों/कर्मचारियों में खौफ छाया हुआ है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि रुपाणी ने मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही महीनों बाद गौवंश हत्या के विरुद्ध अत्यंत सख्त कानून को लागू किया है। और सुधार के अपने इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए गुंडा तत्वों, ज़मीन का घोटाला करने वाले अपराधियों, गौवंश की हत्या करने वाले असामाजिक तत्वों आदि पर सख़्ती करते हुए इस अध्यादेश को लाया जा रहा है। गुंडा तत्वों की व्याख्या में एक व्यक्ति द्वारा या समूह द्वारा किसी हिंसा करने की दी गई धमकी या अन्य तरीकों से सार्वजनिक व्यवस्थाओं को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य

गुजरात को अपराध मुक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का बड़ा कदम

से हो रही गतिविधियों में शामिल लोगों को शामिल किया गया है।

इन सभी को इस कानून के अंतर्गत सजा दी जाएगी। कोई भी ऐसा व्यक्ति जो आपराधित तत्वों या असामाजिक गतिविधि से जुड़ा हो या ऐसी कोई गतिविधि करने की तैयारी में हो जो राज्य में शांति बनाए रखने में बाधक बने तो उसे सात साल से अधिक और दस साल तक की कैद और पचास हजार रुपयों से अधिक राशि के जुर्माने का प्रावधान, इस नए अध्यादेश में किया गया है।

इतना ही नहीं, अगर कोई राज्य सेवक या सरकारी कर्मचारी ऐसे आपराधिक तत्वों को अपराध करने के लिये प्रेरित करे या उनकी मदद करे या उनका किसी भी प्रकार से साथ दे तो उन्हें भी तीन साल से अधिक और दस साल तक की कैद का प्रावधान किया गया है।

इस कानून के नियमों का उल्लंघन करके गुंडा तत्वों द्वारा किये गये कोई भी आपराधिक कार्य के लिये दस हजार तक के जुर्माने के साथ या बिना जुर्माने के 6 महीने तक की अवधि के लिये कैद की सज़ा का प्रावधान भी इस अध्यादेश में मुख्यमंत्री ने किया है।

इस अध्यादेश के एक प्रावधान के तहत कोई भी अपराध दर्ज करने से पहले संबंधित रेन्ज आइ.जी. या पुलिस कमिश्नर की पूर्व अनुमति आवश्यक है। उसके बिना ऐसा अपराध दर्ज नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के दिशा–निर्देशों में मंत्री दल की अगली मीटिंग में गुंडा एन्ड एन्टी–सोशल एक्टिविटीज़ (प्रिवेन्शन) ओर्डिनन्स का जो प्रस्ताव प्रस्तुत होने वाला है, उसमें इस ओर्डिनन्स को अधिक व्यापक बनाने के लिये कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषयों को भी कवर किया जायेगा। इसके अनुसार, राज्य में नशाबंदी कानून, मादक पदार्थ अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करके शराब, ड्रग्स, खतरनाक दवाइयों का सेवन करना, उनका उत्पादन करना, हेरा–फेरी करना या उसका आयात–निर्यात करना, जैसे मामलों में भी सज़ा देने का प्रावधान इस अध्यादेश में किया गया है। जबरदस्ती लोगों की संपत्ति को हड़प लेना या उसको हड़पने में मदद करना या भू–स्वामी होने का झूठा दावा प्रस्तुत करना या उसके संदर्भ में नकली दस्तावेज बनाना, जैसी आपराधिक गतिविधियों को भी इसमें सज़ा देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, महिलाओं के अनैतिक व्यापार के संदर्भ में किए जा रहे आपराधिक गतिविधि, बाल संरक्षण अधिनियम के विपरीत किए जा रहे काम, जुआ प्रतिबंध के विपरीत हो रहे अपराध, सामाजिक समरसता को हानि पहुँचाना, या उसके लिये हिंसा करना, प्रजा में डर या आतंक फैलाना, फिरौती के लिये किसी का अपहरण करना, पैसे उधार देने के अधिनियम के तहत मूलधन या ब्याज की वसूली के लिये कोई भी व्यक्ति की अचल या चल संपत्ति हड़पने के लिये शारीरिक हानि पहुँचाना या उसे धमकी देना, गैर कानूनी तरीके से पशुधन की हेरा–फेरी करना, शस्त्र अधिनियम का भंग करके शस्त्र और गोला बारूद का उत्पादन और इसकी बिक्री व हेरा–फेरी में शामिल होना वगैरह मामलों में इस नए एक्ट तहत बहुत ही सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस कानून का तेज़ी से अमलीकरण हो इसे सुनिश्चित करने के लिए और इन अपराधों से पीड़ित नागरिकों को त्वरित न्याय मिले सके इस उद्देश्य से स्पेशल कोट्र्स की स्थापना करने का निर्णय राज्य सरकार ने किया है और उसके लिये पर्याप्त प्रावधान भी किये गये है।

इसके अतिरिक्त, ज़रूरत पड़ने पर निर्धारित स्थान के अलावा अन्य स्थानों पर भी कोर्ट की कार्रवाई के लिये बैठक मिल सके ।

ऐसे प्रावधान भी किये गये है और स्पेशल कोट्र्स का गठन होने के बाद पहले के सभी पेंडिंग केस स्पेशल कोर्ट में स्थानान्तरित हो जाएंगे। ज़रूरत पड़ने पर किसी बड़े केस का त्वरित निस्तारण करने के लिये उस केस को एक स्पेशल कोर्ट में से दूसरे स्पेशल कोर्ट में स्थानान्तरित करने का प्रावधान भी इस कानून में किया गया है। अपराधियों के विरुद्ध स्पेशल कोर्ट के अलावा अन्य कोर्ट में भी केस चल रहा हो तो अपराधी की अनुपस्थिति में भी ऐसे केसेस चलाये जा सकेंगे और ऐसे केसों का निस्तारण भी किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने निर्दोष ईमानदार नागरिकों को ऐसे गुंडा तत्वों से रक्षण देने के लिये ऐसा प्रावधान भी सुनिश्चित किया है

कि, गुंडा कानून के तहत जो व्यक्ति साक्षी बनेगा उसे भी राज्य सरकार संपूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगी और ऐसे साक्षियों की पहचान और उनके पते को गुप्त रखा जाएगा। इस प्रावधान के उल्लंघन के लिये संबंधित व्यक्ति को एक वर्ष तक की कैद और 5000 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

इसके उपरांत, गुंडा तत्वों द्वारा हड़प ली गई संपत्ति, गुंडा कानून के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई के लिये पात्र होती है तो ऐसे मामलों में ज़िला मेजिस्ट्रेट द्वारा उसे जप्त किया जा सकेगा और ज़रूरत पड़ने पर ऐसी संपत्तियों की नीलामी भी की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने गुजरात की शांत, सलामत, सुरक्षित और समृद्ध राज्य की अलग पहचान को सुदृढ़ बनाने के लिए इस अध्यादेश के प्रावधानों के सख्त अमलीकरण की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)